door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 322 | गुवाहाटी | शनिवार, 22 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अटल जी के नाम पर भ्रष्टाचार कर रही भाजपा पेज 2
नीट परीक्षा के विरुद्ध असम, नगालैंड और मणिपुर में जोरदार प्रदर्शन पेज 3
नीट परीक्षा में अनियमितता से लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर : गोविंद सिंह डोटासरा पेज 5
चिराग-सात्विक पर ओलंपिक में पदक जीतने का दबाव, बोले-हम इसे सकारात्मक... पेज 7

नीट काउंसलिंग प्रक्रिया पर एससी ने रोक लगाने से फिर किया इनकार

एनटीए को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। नीट-यूजी में गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए परीक्षा रद करने की मांग वाली नित नई याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हो रही हैं और कोर्ट उन पर नोटिस जारी कर सभी मामलों को एक साथ आठ जुलाई को सुनवाई के लिए संलग्न करता जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को भी सुप्रीम कोर्ट में कुछ याचिकाएं सुनवाई के लिए लगीं थीं जिनमें नीट-यूजी रद करने की मुख्य मांग के साथ ही छह जुलाई को होने वाली काउंसलिंग को भी आगे बढ़ाने का अंतरिम आदेश मांगा गया था, लेकिन कोर्ट ने शुक्रवार को एक बार फिर काउंसलिंग पर रोक लगाने से मना कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने याचिका पर केंद्र और नेशलन टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया और इस मामले को भी अन्य मामलों के साथ संलग्न कर आठ जुलाई को सुनवाई पर लगाने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ ने काउंसलिंग छह जुलाई से आगे बढ़ाने की मांग ठुकराते हुए मौखिक -शेष पृष्ठ दो पर

अंबुवासी मेला आज से, सुबह 8.43 बजे बंद होंगे कपाट

गुवाहाटी में दिशा-निर्देश लागू, नहीं होगा वीआईपी पास

गुवाहाटी। नगर के कामाख्या मंदिर में आज से अंबुवासी मेला शुरू होने जा रहा है। मेला सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए प्रशासन और मंदिर परिसर ने कमर कस ली है। इस दौरान सरकार की ओर से कई दिशा-निर्देश भी लागू किए गए हैं। साथ ही सबसे महत्वपूर्ण इसवार वीआईपी पास जारी नहीं किया गया है। मेले को दौरान कामाख्या मंदिर की ओर जाने वाली सड़क रात को 8 बजे से बंद कर दी जाएगी। इसके अलावा पांडुघाट से आने वाली सड़क भी रात को बंद रहेगी। साथ ही कामाख्या गेट से नौका सेवा और वाहनों की आवाजाही भी बंद रहेगी। मेले के दौरान पांडु से कामाख्या मंदिर मार्ग पर ही सिर्फ नौका सेवा उपलब्ध होगी। कामाख्या मंदिर व आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न संस्थाएं जो अक्सर खाद्य पदार्थ और पेयजल का वितरण कार्यक्रम चलाती हैं, उन्हें मेले के दिनों में अपनी पसंद के स्थानों पर भोजन व पेयजल वितरित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वहीं इस साल मंदिर में देवी कामाख्या के दर्शन के लिए कोई वीआईपी पास जारी नहीं किया जाएगा। अगर अंबुवासी के दौरान कोई वीआईपी देवी के दर्शन करने मंदिर पहुंचते हैं तो उन्हें भी आम श्रद्धालुओं की तरह कतारबद्ध होकर ही देवी के दर्शन के लिए इंतजार करना पड़ेगा। -शेष पृष्ठ दो पर

तेजपुर में सीएम ने योग कार्यक्रम में लिया भाग

शोणितपुर (हि.स.)। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को पूरे देश के साथ-साथ दुनिया के विभिन्न हिस्सों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। असम में भी योग दिवस मनाया गया। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने तेजपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के राज्यस्तरीय समारोह में भाग लिया। मुख्यमंत्री के साथ इस दौरान राज्य के कैबिनेट मंत्री केशव महंत समेत कई मंत्रियों, सांसदों, विधायकों तथा पार्टी के अन्य नेताओं ने भी योगासन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग दुनिया को फिट और स्वस्थ रहने के लिए भारत के अनूठे उपहारों का उत्सव है। उल्लेखनीय है कि योग कार्यक्रम में हिस्सा -शेष पृष्ठ दो पर

शांति, स्वास्थ्य व विकास के लिए योग जरूरी : पीएम मोदी

श्रीनगर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित योग दिवस समारोह में हिस्सा लेते हुए दुनिया भर के लोगों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मुझे योग और साधना की भूमि कश्मीर में आने का एक सौभाग्य मिला है। योग से हमें जो शक्ति मिलती है श्रीनगर में हम उसे महसूस कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में योग करने वालों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। योग के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दस साल पहले मैंने संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था। भारत के प्रस्ताव -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मा हार्डओरेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

सुप्रभात

कर्म सुख भले ही न ला सके, परंतु कर्म के बिना सुख नहीं मिलता।

-डिजरायली

तीन नए आपराधिक कानूनों का ममता ने किया विरोध

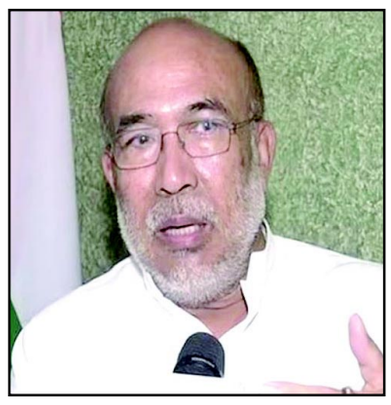

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तीन आपराधिक कानूनों- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता - के कार्यान्वयन को स्थगित करने का अनुरोध किया है। बनर्जी ने इन पर संसद में आगे चर्चा की मांग की है। इसके साथ ही ममता ने आपराधिक कानूनों की नए सिरे से संसदीय समीक्षा पर जोर दिया। इन कानूनों के आसन्न कार्यान्वयन पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने कहा कि मैं आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय सुरक्षा अधिनियम (बीएसए) 2023 और भारतीय नागरिक सुरक्षा स्वच्छता (बीएनएसएस) 2023 के कार्यान्वयन को स्थगित करने की हमारी अपील पर विचार करें। ममता बनर्जी ने लिखा कि हमारा मानना है कि यह स्थगन नए सिरे से संसदीय समीक्षा/जनादेश को सक्षम -शेष पृष्ठ दो पर

अगले दो-तीन महीने में मोदी 3.0 सरकार मणिपुर जातीय संकट का समाधान ढूंढ लेगी : सीएम

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में जातीय अशांति को दूर करने के लिए मोदी 3.0 सरकार जल्द ही एक कार्य योजना बनाएगी और राज्य में चल रहे संकट का समाधान दो से तीन महीने के भीतर आ सकता है। सीएम ने यह बयान शुक्रवार को इंफाल के खुमान लैंपक इंडोर हॉल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 समारोह के दौरान दिया। उन्होंने कहा कि हिंसा हर जगह है और विशेषकर मणिपुर में यह कम हुई है। हालांकि, सीमांत क्षेत्रों में कुछ छिटपुट गोलीबारी हुई, लेकिन राज्य भर में अन्य स्थानों पर स्कूल, सरकारी प्रतिष्ठान, बाजार और व्यवसाय खुल रहे हैं, जो सामान्य स्थिति में लौटने का संकेत है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में वास्तविक संकट केवल 6-7 महीनों के लिए था, हालांकि, मणिपुर में 14 महीनों से अशांति है। जिरीबाम हिंसा के संबंध में मुख्यमंत्री ने माना कि सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण हिंसा हुई। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ है क्योंकि लोकसभा चुनाव ड्यूटी के लिए छोड़े गए सभी सुरक्षाकर्मियों को संवेदनशील क्षेत्रों में फिर से तैनात किया गया है। 6 जून को असम के कछार जिले की सीमा से लगे सोरोक अटिंगबी खुनौ गांव के 59 वर्षीय किसान की हत्या के बाद जिरीबाम जिले में हिंसा की ताजा घटनाएं भड़क उठीं। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

असमिया गामोछा के प्रति पीएम का अटूट लगाव : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। नरेंद्र मोदी ने कश्मीर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के दौरान आज एक बार फिर पारंपरिक असमिया गामोछा पहना, जिससे असमिया संस्कृति के इस प्रतीक की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा -शेष पृष्ठ दो पर

अधीर रंजन ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

कोलकाता (हि.स.)। लोकसभा चुनाव में मुर्शिदाबाद जिले की बहरामपुर सीट पर पराजय झेलने के बाद दिग्गज कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष पद से आज इस्तीफा दे दिया। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को बंगाल में केवल एक सीट पर विजय हासिल हुई है। अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर लोकसभा सीट से पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल उम्मीदवार युसूफ पठान ने हरा दिया था। -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी ने जम्मू-कश्मीर समेत चार राज्यों में शुरू की विस चुनाव की तैयारी

नई दिल्ली (हि.स.)। देश में आम चुनाव संपन्न कराने के बाद अब चुनाव आयोग हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारियों में जुट गया है। आयोग ने चुनावी विवरणों को अपडेट करने के साथ इसकी शुरुआत कर दी है। चुनाव आयोग के अनुसार विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता सूची को अपडेट करने की शुरुआत 1 जुलाई की तिथि को मानते हुए आरंभ कर दी गई है। इन तीनों राज्यों में वर्तमान विधानसभाओं का कार्यकाल क्रमशः 3 नवंबर, 26 नवंबर और अगले साल 05 जनवरी को -शेष पृष्ठ दो पर

जहरीली शराब मामले पर विस में मचा बवाल, स्पीकर ने एआईएडीएमके विधायकों को निकाला बाहर

चेन्नई। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में जहरीली शराब का मामला तूल पकड़ रहा है। इस मामले में अब तक 47 लोगों की मौत हो गई है और लगभग 100 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। आज विधानसभा सत्र के दूसरे दिन अन्नाद्रमुक विधायकों (एआईएडीएमके) ने जहरीली शराब मामले में सदन के अंदर नारे लगाए। ये नारे शराब मामले पर चर्चा की मांग करते हुए लगाए गए। वहीं स्पीकर अप्पावु ने विधानसभा के अंदर सुरक्षा कर्तव्य निभाने वाले वॉच एंड वार्ड स्टाफ को अन्नाद्रमुक विधायकों को विधानसभा हॉल से बाहर निकालने का आदेश दिया। विधानसभा के बाहर भारी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात थे। कल विधानसभा सत्र के दौरान कल्लाकुरिची में जहरीली शराब पीने से मरने वालों को श्रद्धांजलि दी गई। विधायकों ने 17 पूर्व विधायकों और मौजूदा द्रमुक विधायक पुगझेंथी को भी श्रद्धांजलि दी, जिनका निधन हो गया था। उन्होंने कुवैत अग्निकांड के पीड़ितों को भी -शेष पृष्ठ दो पर

भीषण गर्मी : सऊदी अरब में हज के दौरान 98 भारतीयों की मौत

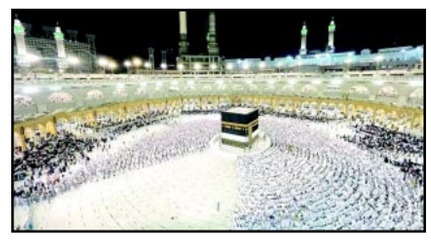

नई दिल्ली। सऊदी अरब में हज के दौरान भीषण गर्मी और प्राकृतिक कारणों से मरने वालों की संख्या एक हजार से अधिक हो गई, जिसमें 98 भारतीय भी शामिल हैं। इस साल अब तक 1,75,000 भारतीय हज के लिए सऊदी अरब गए हैं। केंद्रीय विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। अबतक 10 देशों से 1,081 जायरीनों (हज पर जाने वाले लोगों को जायरीन कहते हैं) की मौत हो चुकी है। इनमें सबसे ज्यादा मिस्र के 658 जायरीन शामिल हैं। केंद्रीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जयसवाल ने इस पर -शेष पृष्ठ दो पर

केजरीवाल को फिलहाल जमानत नहीं, हाईकोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को दिल्ली उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिली। कोर्ट ने उनकी जमानत पर फिलहाल रोक लगा दी है और फैसला सुरक्षित रखा है। माना जा रहा है कि दो से तीन दिन पर इस पर फैसला आएगा। तब तक उन्हें तिहाड़ जेल में ही रहना होगा। बता दें कि गुरुवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत दे दी थी। इस पर ईडी ने शुक्रवार को हाईकोर्ट का रुख किया था। ईडी ने इस मामले को तत्काल सुनवाई की मांग की। ईडी की याचिका पर सुनवाई को लिए हाईकोर्ट सहमत हो गया है। ईडी का दावा है कि हमको अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका का विरोध करने का पूरा मौका नहीं दिया क्या, इसलिए निचली अदालत के जमानत के फैसले पर रोक लगाई जाए। अरविंद केजरीवाल के वकीलों ने ईडी के वकील को सलाह दी कि आपको अदालत के फैसले को सम्मान के साथ स्वीकार करना चाहिए। हाईकोर्ट की सुनवाई के बाद ही साफ होगा कि अरविंद केजरीवाल आज रिहा होंगे या नहीं। दिल्ली हाईकोर्ट का कहना है कि ट्रायल कोर्ट के आदेश को तब तक प्रभावी -शेष पृष्ठ दो पर

रूस के हमले से यूक्रेन ने पूरे देश में ब्लैकआउट की घोषणा की

कीव (हि.स.)। रूस ने बुधवार रात नौ क्रूज मिसाइलों व 27 ड्रोन से यूक्रेन के बिजली ग्रिड को निशाना बनाया है। जिसके बाद यूक्रेन ने पूरे देश में ब्लैकआउट की घोषणा की है। वहीं, यूक्रेन ने भी रूस के तेल डिपो पर ड्रोन से हमले किए हैं। इससे दोनों देशों के बीच एक दूसरे के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने की कोशिश और तेज होने की आशंका बढ़ गई है। यूक्रेनी वायुसेना ने कहा है कि तीन महीने पहले यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर सातवां बड़ा हमला करने वाले रूस ने अब फिर नौ मिसाइलों व 27 शहीद ड्रोन से यूक्रेन के मध्य व पूर्वी क्षेत्र में बिजली ग्रिड को निशाना बनाया है। यूक्रेन ने कहा कि सुरक्षाबलों ने रूस के सभी ड्रोन और पांच क्रूज मिसाइलों को रोकने में सफलता हासिल की है। नेशनल पावर कंपनी यूक्रेनेरगो के अनुसार, रूसी हमले में सात कर्मचारी घायल हुए हैं। वहीं, रूस के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि यूक्रेन के बिजली -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa cÆurga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph.: 94350-48866, 94018-06952**

सीसुब मुख्यालय मनाया गया योग दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। फ्रंटियर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल (सीसुब) और सभी अन्तर्निहित क्षेत्रीय मुख्यालयों, वाहिनियों तथा सीमा चौकियों पर शुक्रवार को 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस *स्वयं और समाज के लिए योग की अवधारणा* की थीम पर मनाया गया।

अटल सेतु में आई दरारें, नाना पटोले ने लिया जायजा, कहा-

अटल जी के नाम पर भ्रष्टाचार कर रही भाजपा

नई दिल्ली। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने मुंबई-ट्रांस हार्बर लिंक (एमटीएचएल) अटल सेतु पर आई दरारों का निरीक्षण किया। और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरे राज्य में भ्रष्टाचार का खेल जारी है। हम भ्रष्टाचार के बहुत से उदाहरण आगामी विधानसभा में पेश करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि भारत की जनता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का सम्मान करती है। लेकिन भाजपा उनके नाम पर भी भ्रष्टाचार करने से नहीं हिचकिचाती है। नाना पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र अमित शाह और नरेंद्र मोदी का एटीएम बन गया है, इसलिए वो महाराष्ट्र की तारीफ करते हैं। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने भाजपा-शिवसेना-एनसीपी की सरकार पर जमकर निशाना साधा है। एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए नाना पटोले ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को लूट रही है, जो बीज और खाद की कालाबाजारी की इजाजत दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने महंगाई, बेरोजगारी, खराब कानून व्यवस्था और नीट की अनियमितताओं के खिलाफ पूरे राज्य में दिन में *कीचड़ फेंको* आंदोलन शुरू करके आवाज उठाई है। वहीं नाना पटोले ने आरोप लगाया कि राज्य की भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार व्याप्त है। डीबीटी योजना के जरिए किसानों को कीटनाशक, स्प्रे पंप, खाद और दवाइयां दी जाती हैं। लेकिन स्प्रे पंप की कीमत 2700 रुपए से बढ़ाकर 4500 रुपए कर दी गई है और कई वस्तुओं को बढ़ी हुई दरों पर खरीदा गया है, जिसमें भ्रष्टाचार हो रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि जब कृषि आयुक्त ने कहा कि अगर योजना में बदलाव करना है तो कैबिनेट की मंजूरी की जरूरत होगी, तो कृषि आयुक्त का तबादला कर दिया गया। इस योजना से 11 लाख से ज्यादा किसानों को फायदा होता, लेकिन भाजपा सरकार ने किसानों की मदद के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि महंगाई को लेकर कहा कि केंद्र सरकार की तरफ से कुछ फसलों के एमएसपी में की गई बढ़ोत्तरी मामूली है। लेकिन डीजल, खाद, बीज और कृषि उपकरणों की कीमतों में बढ़ोत्तरी के कारण किसान के हाथ खाली हैं। नाना पटोले ने आगे कहा कि भयंकर सूखा पड़ा है और बाग-बगीचे नष्ट हो गए हैं, लेकिन सरकार इसे सूखा जैसी स्थिति बताकर किसानों का मजाक उड़ा रही है। इस दौरान नाना पटोले ने नीट परीक्षा को लेकर कहा कि भाजपा सरकार के शासन में पेपर लीक की घटनाएं लगातार हो रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लगातार पेपर लीक की बात को इनकार कर रही थी, लेकिन राहुल गांधी के प्रेस कांफ्रेंस करने के बाद ही नीट पेपर लीक की बात स्वीकार की गई। वहीं कांग्रेस नेता ने हाल ही खत्म हुए लोकसभा चुनाव को लेकर कहा कि ईवीएम के बारे में *आपत्ति* जताने वाले आठ उम्मीदवारों में से तीन भाजपा से हैं, जिनमें अहमदनगर के पराजित उम्मीदवार सुजय विखे पाटिल भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को इस मुद्दे की गंभीरता को समझना चाहिए।

दिल्ली में संघ शिक्षा वर्ग का समापन स्वयंसेवकों को मिला पंच परिवर्तन का मंत्र

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय राजधानी में शाहदरा के शंकर नगर स्थित आरए गीता विद्यालय में पिछले 15 दिनों से चल रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ शिक्षा वर्ग (सामान्य) का शुक्रवार शाम को समापन हो गया। कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह संगठक सतीश कुमार मुख्य वक्ता तथा सेवानिवृत्त पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं तिहाड़ केंद्रीय कारागार के पूर्व महानिदेशक संजय बैनीवाल मुख्य अतिथि थे। इस दौरान सतीश कुमार ने अपने संबोधन में समाज परिवर्तन के लिए स्वयंसेवकों से अपने जीवन में पंच परिवर्तन अपनाने का आह्वान किया। पंच परिवर्तन के अंतर्गत दैनिक जीवन में सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली, नागरिक कर्तव्य पालन और स्वदेशी को अपनाना शामिल है। सकारात्मक, सजग एवं सक्रिय समाज के निर्माण की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि व्यक्ति को समाज में सहज सेवा भाव रखना चाहिए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिल्ली प्रांत के संघचालक डॉ. अनिल अग्रवाल और संघ शिक्षा वर्ग के सर्वाधिकारी वीरेंद्र नागपाल उपस्थिति रहे। इस वर्ष संघ शिक्षा वर्ग 6 जून से प्रारंभ से प्रारंभ हुआ था और यह शनिवार, 22 जून को दीक्षांत के बाद पूर्ण हो जाएगा। वर्ग में 18 से 40 वर्ष की आयु के कुल 275 शिक्षार्थियों ने प्रशिक्षण लिया जिसमें दिल्ली से 270 शिक्षार्थी तथा अन्य प्रांत से 5 शिक्षार्थी हैं। इन 275 शिक्षार्थियों में से 202 विद्यार्थी तथा 73 कर्मचारी एवं व्यवसायी हैं। इन 202 विद्यार्थियों में स्नातक से लेकर बी.टेक., एम.टेक. एवं पीएचडी तक के विद्यार्थी हैं। 73 कर्मचारी एवं व्यवसायियों में प्राध्यापक, अध्यापक, सरकारी कर्मचारी एवं व्यवसायी हैं। इस वर्ग में शिक्षार्थियों को विभिन्न प्रकार के औपचारिक प्रशिक्षण दिए गए। शारीरिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिदिन सुबह शाम शारीरिक प्रशिक्षण हुआ। मानसिक एवं वैचारिक स्पष्टता के लिए प्रतिदिन 4 सत्रों का बौद्धिक प्रशिक्षण दिया गया। जीवन के प्रत्येक सेकंड का सदुपयोग एवं प्रत्येक वस्तु संसाधन का समुचित उपयोग का अभ्यास व्यवस्था विभाग के अंतर्गत दिया गया। वर्ग में 24 घंटे की निश्चित दिनचर्या में जीवन जीते हुए अनेक औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त हुए। यहां कार्यकर्ताओं ने सामूहिक जीवन का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

पूसीरे में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) में स्वास्थ्य के वैश्विक उत्सव के रूप में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई-2024) आज मनाया गया। योग के महत्व और मानव स्वास्थ्य पर इसके प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए पूसीरे के मुख्यालय, सभी मंडलों और कारखानों में योगाभ्यास सत्र आयोजित किए गए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 का विषय *स्वयं और समाज के लिए योग* है। यह विषय योगाभ्यास के दोहरे लाभ-व्यक्तिगत स्वास्थ्य में सुधार और बड़े पैमाने पर समाज में सुधार लाने पर जोर देता है। आंतरिक शांति एवं आत्म-देखभाल एक खुशहाल और स्वस्थ अस्तित्व की आधारशिला है, को यह विषय मान्यता देता हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस इस आयोजन की 10वीं वर्षगांठ है। पूसीरे मुख्यालय में, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम रेलवे इंडोर स्टेडियम, मालीगांव में *स्वयं और समाज के लिए योग* विषय पर आयोजित किया गया।

प्रोटेम स्पीकर के मामले में कांग्रेस की टिप्पणियां शर्मनाक : रिजिजू

नई दिल्ली (हि.स.)। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश की लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर को लेकर जताई जा रही आपत्ति को खारिज कर दिया है। रिजिजू ने कहा कि गैर जरूरी विवाद पैदा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भतृहरि महताब लगातार सात कार्यकाल से सदस्य हैं और कांग्रेस नेता जिनकी बात कर रहे हैं, वे भले ही आठ बार सांसद बने हैं लेकिन वे लगातार नहीं रहे हैं। संसदीय कार्यमंत्री ने एक बयान में कहा कि यहां व्यवस्था का कोई भी उल्लंघन नहीं हुआ है, केवल उन लोगों को महसूस हो रहा है, जिन्होंने व्यवस्था और उससे जुड़े नियमों को नहीं पढ़ा है। हमने परंपरा का पालन किया है। कांग्रेस पार्टी की बातें शर्मिंदा करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि पहली बात यह कि कांग्रेस प्रोटेम स्पीकर का मुद्दा क्यों बना रही है। यह पद अस्थायी है और नए स्पीकर के चुनाव तक है। प्रोटेम स्पीकर की भूमिका भी सीमित होती है। दूसरी बात भर्तृहरि महताब लगातार सात बार लोकसभा के लिए चुने गए हैं। इस समय वह सबसे लंबे समय तक बने रहने वाले सदस्य हैं। कांग्रेस नेता ने सुरेश कोडाइकनाल का नाम लिया। यह उनका आठवां कार्यकाल है लेकिन यह कार्यकाल दो बार 1998 और 2004 में ब्रेक हुआ है।

राज्यपाल ने 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में लिया भाग

गुवाहाटी (हिंस)। समग्र विकास के लिए योग को बढ़ावा देने के लिए असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज डीटीआरपी इनडोर स्टेडियम में जिला प्रशासन, कामरूप (मेट्रो) के सहयोग से राष्ट्रीय आयुष मिशन असम द्वारा आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में राज्यपाल कटारिया ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति का एक प्राचीन और अद्भुत विज्ञान है। योग का इतिहास हजारों साल पुराना है और ऐसा माना जाता है कि सभ्यता की शुरुआत से ही योग का अभ्यास किया जाता रहा है। यह एक विज्ञान आधारित आध्यात्मिक अनुशासन है जो मन और शरीर के बीच सामंजस्य स्थापित करने पर केंद्रित है। यह स्वस्थ जीवन जीने की कला और विज्ञान है। कटारिया ने कहा कि महर्षि पतंजलि के अलावा कई ऋषियों और योग गुरुओं ने अभ्यास और योग साहित्य के माध्यम से योग के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज पूरा विश्व योग से लाभान्वित हो रहा है। इस वर्ष की थीम *स्वयं और समाज के लिए योग* पर बोलते हुए कटारिया ने कहा कि योग के नियमित अभ्यास से व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा रहता है, जिससे सामाजिक समरसता बढ़ती है। राज्यपाल ने कहा कि योग हमारी प्राचीन परंपरा का अमूल्य उपहार है, जिसे हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाने के लिए आगे बढ़ाया है। योग हमेशा से ही भारत में फिट रहने का अनूठा तरीका रहा है। इसमें मानव जाति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाने तथा जीवन को स्वस्थ और उद्देश्यपूर्ण बनाने की अपार क्षमता है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि योग का अभ्यास सभी को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। योग का अधिकतम लाभ पाने के लिए व्यक्ति को समर्पित भाव से इसका अभ्यास करना चाहिए। उन्होंने सभी से समग्र स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने का आग्रह किया। कटारिया ने कहा कि योग को केवल योग दिवस के अवसर पर अभ्यास करने तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। इसका दैनिक आधार पर अभ्यास किया जाना चाहिए। मुझे खुशी होगी यदि प्रतिभागी इस प्राचीन परंपरा के अधिकतम् लाभ प्राप्त करने के लिए योग का अभ्यास करते रहें और खुद को फिट और रोग मुक्त रखें। योग सत्र में वित्त मंत्री अजंता नेओग, अतिरिक्त मुख्य सचिव बिस्वरंजन सामल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. लक्ष्मीप्रिया, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग के आयुक्त और सचिव सिद्धार्थ सिंह, जीएमसी के मेयर मृगेन शरणिया, डीसी कामरूप (मेट्रो) सुमित सत्तावन और कई अन्य लोगों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

पृष्ठ एक का शेष

नीट काउंसलिंग प्रक्रिया ...

टिप्पणी में कहा कि काउंसलिंग कोई ऐसी चीज नहीं है जो शुरू हुई और बंद हो गई ये एक प्रक्रिया है। काउंसलिंग प्रक्रिया छह जुलाई को शुरू होगी उसके बाद एक हफ्ते तक चल सकती है जिसमें अभ्यर्थियों के पास संशोधन आदि के कई विकल्प होंगे और उसके बाद वह संयोजक के पास जाएगा। पीठ ने ये बात तब कही जब याचिकाकर्ता छात्रों के वकील ने कहा कि वह काउंसलिंग पर रोक लगाने की मांग नहीं कर रहे हैं सिर्फ इतना कह रहे हैं कि कोर्ट दो दिन के लिए काउंसलिंग आगे बढ़ा दे क्योंकि काउंसलिंग छह जुलाई से शुरू होनी है और कोर्ट में आठ जुलाई को सुनवाई होगी। याचिकाकर्ता छात्रों की ओर से दाखिल याचिका में दोबारा नीट कराने की मांग करते हुए दलील दी गई कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने महत्वपूर्ण सामग्री छुपायी है। उसने यह नहीं बताया कि 773 छात्र बिना ग्रेस मार्क के फेल हो गए हैं। कोर्ट ने एनटीए को नोटिस जारी करते हुए याचिका का जवाब दाखिल करने को कहा है। इसके अलावा एक और याचिका शुक्रवार को सुनवाई पर लगी थी जिसमें याचिकाकर्ता अभ्यर्थी के वकील ने कहा कि वह 23 जून को दोबारा होने वाली परीक्षा में शामिल होना चाहता है लेकिन उसकी मेडिकल स्थिति ठीक नहीं है। उसने इस बारे में एनटीए को ज्ञापने भेजा था लेकिन एनटीए ने कोई जवाब नहीं दिया। कोर्ट ने इस अर्जी पर एनटीए को नोटिस जारी करते हुए एनटीए के वकील से कहा कि एनटीए इसके ज्ञापन पर शुक्रवार को ही शाम चार बजे तक निर्णय लेकर उसे ईमेल के जरिए सूचित करे। कोर्ट ने इसी के हाईकोर्ट में चल रहे सभी मामलों पर रोक लगा ही है और नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर इसमें 0.001 फीसद लापरवाही हुई तो जांच की जाएगी।

अंबुवासी मेला आज...

मालूम हो कि गुवाहाटी स्थित कामाख्या मंदिर में हर साल मानसून के समय अंबुवासी मेला आयोजित होता है। यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में एक है और तंत्र साधना के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। मंदिर में देवी की योनि की पूजा होती है। अंबुवासी मेला के दौरान माना जाता है कि देवी रजस्वला होती है, जिस समय मंदिर परिसर में पुरुषों का प्रवेश निषेध रहता है। इस दौरान मंदिर को 3 दिनों के लिए बंद कर दिया जाता है। मान्यतानुसार देवी के सामने सफेद रंग का एक कपड़ा रखकर मंदिर को बंद किया जाता है और 3 दिन बाद जब मंदिर के पट खुलते हैं तो वह कपड़ा लाल रंग से भीगा रहता है। उस कपड़े को प्रसाद के रूप में भक्तों में वितरित किया जाता है। इस साल अंबुवासी मेला 22 जून से शुरू हो रही है जो 25 जून 2024 तक चलेगी। 25 जून की रात को 9.08 बजे कामाख्या मंदिर के कपाट फिर से खोले जाएंगे। इस दौरान मंदिर में देशभर से बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं जो पारंपरिक रीति-रिवाजों के मुताबिक आयोजित होने वाले अनुष्ठानों में हिस्सा लेते हैं। 3 दिन के मासिक धर्म के बाद जब कामाख्या मंदिर के कपाट फिर से खोले जाते हैं तो उसे एक शुभ घटना मानी जाती है। इस घटना का साक्षी बनने के लिए बड़ी संख्या में भक्त मंदिर परिसर में उपस्थित रहते हैं। मंदिर के फिर से खुलने के बाद भक्तों में अंगोदक (पवित्र जल) और अंगवस्त्र (योनि को ढकने वाला सफेद कपड़ा, जो लाल रंग का हो जाता है) को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है।

तेजपुर में सीएम ...

लेने के लिए मुख्यमंत्री गुरुवार की दोपहर बाद तेजपुर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार की दोपहर के समय तेजपुर के दौरे के दौरान मिशन चारियाली में नवनिर्मित फ्लाईओवर के निर्माण कार्य का जायजा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा कल दोपहर 3.30 बजे मिशन चारियाली पर पहुंचे और निर्माण कार्य का जायजा लिया। असम सरकार ने तेजपुर के लोगों की आवाजाही में कठिनाई के कारण लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए फ्लाईओवर का निर्माण करने का निर्णय लिया था। मुख्यमंत्री ने कल निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री तेजपुर कालीबाड़ी स्थित कलागुरु बिष्णुप्रसाद राभा के समाधि क्षेत्र समन्वय मैदान पहुंचे और कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ राज्य के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री बिमल बोरा, शहरी विकास मंत्री अशोक सिंघल, शोणितपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद रंजीत दत्ता, तेजपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पृथ्वीराज राभा, शोणितपुर के जिला आयुक्त देब कुमार मिश्रा और अधिकारी और स्थानीय लोग भी थे।

शांति, स्वास्थ्य व ...

को 177 देशों ने समर्थन दिया जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर योग साधना की भूमि है। योग के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ी है। दुनिया के नेता अब योग पर बात कर रहे हैं। योग टूरिज्म का नया ट्रेंड है। योग के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ी है और योग करने वालों की संख्या भी बढ़ी है। इसके साथ ही योग शिक्षकों की माग बढ़ी है। योग से सकारात्मकता बढ़ती है। योग शांति, स्वास्थ्य और विकास के लिए भी जरूरी है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। इस बीच मोदी ने वहां उपस्थित लोगों से बातचीत भी की। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को श्रीनगर पहुंचे थे। मोदी युवाओं के सशक्तिकरण, जम्मू-कश्मीर में बदलाव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान जम्मू-कश्मीर को करीब 3300 करोड़ रुपए का तोहफा दिया। इसके साथ ही शासकीय सेवाओं के लिए 2000 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र भी सौंपे।

तीन नए आपराधिक...

करेगा, कानूनी प्रणाली में जनता के विश्वास को मजबूत करेगा और हमारे प्यारे देश में कानून के शासन को कायम रखेगा। 25 दिसंबर, 2023 को भारत के राष्ट्रपति ने बीएनएस, बीएसए और बीएनएसएस को सहमति दी। जैसा कि अधिसूचित किया गया है, ये नए आपराधिक कानून इस साल 1 जुलाई से प्रभावी होने हैं। नए कानून क्रमशः औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी प्रमुख ने गुरुवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम से भी मुलाकात की, जो विधेयकों की जांच करने वाली संसद की स्थायी समिति का हिस्सा थे, और उनसे इस मुद्दे पर चर्चा की। टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन, द्रमुक नेता एनआर एलंगो और चिदंबरम ने तीनों विधेयकों पर अपनी रिपोर्ट में असहमति जताई थी। ममता ने कहा कि ये तीनों विधेयक लोकसभा में ऐसे समय में पारित हुए, जब 146 सांसद सदन से निलंबित थे। ममता ने कहा कि आपकी पिछली सरकार ने इन तीन महत्वपूर्ण विधेयकों को एकतरफा और बिना किसी बहस के पारित कर दिया था। उस दिन, लोकसभा के लगभग 100 सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था और दोनों सदनों के कुल 146 सांसदों को संसद से बाहर निकाल दिया गया था। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के उस काले दौर में विधेयकों को तानाशाहीपूर्ण तरीके से पारित किया गया। मामले की अब समीक्षा होनी चाहिए। ममता ने कहा कि मैं अब आपके कार्यालय से आग्रह करती हूं कि कम से कम कार्यान्वयन की तारीख को आगे बढ़ाने पर विचार करें। इसके दो कारण हैं: नैतिक और व्यावहारिक। उन्होंने कहा कि इन महत्वपूर्ण विधायी बदलावों पर नए सिरे से विचार-विमर्श होना चाहिए और जांच के लिए नव निर्वाचित संसद के समक्ष रखा जाना चाहिए। टीएमसी प्रमुख ने कहा कि जल्दबाजी में पारित किए गए नए कानूनों को लेकर सार्वजनिक रूप से व्यक्त की गई व्यापक आपत्तियों के मद्देनजर नए सिरे से संसदीय समीक्षा लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगी।

अगले दो-तीन महीने ...

सीएम ने कहा कि मोदी 3.0 सरकार ने मणिपुर राज्य में शांति वापस लाने के लिए मणिपुर हिंसा को सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल किया है, उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी एजेंसियों के साथ एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की है, और उन्होंने सारी जानकारी जुटा रही है। सिंह ने कहा कि मणिपुर अशांति के समाधान के लिए निश्चित रूप से 2-3 महीने के भीतर एक कार्य योजना सामने आएगी। इस बीच, इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने शुक्रवार को एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि हमारे सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन (एसओओ) समूहों ने पहले ही अपनी राजनीतिक मांग प्रस्तुत कर दी है, जिसमें भारतीय संविधान के अनुच्छेद 239 (ए) के तहत विधायिका के साथ एक केंद्र शासित प्रदेश की मांग की गई है। हमारी राजनीतिक मांग के समर्थन में, सोमवार, 20 जून, 2024 को आईटीएलएफ हमारे राजनीतिक समाधान में तेजी लाने के लिए एक सामूहिक रैली का आयोजन कर रहा है।

ईसी ने जम्मू-कश्मीर ...

समाप्त होने जा रहा है। इन विधानसभाओं के चुनाव उनके कार्यकाल पूरा होने से पहले कराए जाने आवश्यक हैं। इसके अलावा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद नए सदन के गठन के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की विधानसभा के लिए आम चुनाव भी कराए जाने हैं। इसके लिए चुनाव बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे।

जहरीली शराब मामले ...

श्रद्धांजलि दी, जिसमें तमिलनाडु के सात लोग शामिल थे। राज्य विधानसभा अध्यक्ष अप्पावु ने शोक संदेश पढ़ा जिसके बाद सदस्य श्रद्धांजलि देने के लिए मौन खड़े रहे। बता दें कि विधानसभा सत्र 29 जून तक चलने वाला है। इससे पहले आज, कल्लाकुरिची जहरीली शराब मामले में तीन आरोपियों को 15 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और कुडालोर सेंट्रल जेल ले जाया गया। इससे पहले, कल्लाकुरिची पुलिस ने आरोपी को जिला संयुक्त अदालत में पेश किया था गोविंदराज, दामाडोरन और विजया नाम के तीन आरोपियों को जिला अदालत के न्यायाधीश श्रीराम ने 5 जुलाई तक 15 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपियों को कुडालोर केंद्रीय जेल भेज दिया गया। इस मामले में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रत्येक मृतक के परिजन को 10 लाख रुपए देना की का एलान किया है। वहीं अस्पताल में इलाज करा रहे लोगों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।

भीषण गर्मी : सऊदी अरब ...

प्रतिक्रिया दी। हज करने गए भारतीयों की मौत मामले में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जयसवाल ने कहा कि इस साल हमारे पास 1,75,000 भारतीय हैं, जो पहले ही हज पर जा चुके हैं। हम अपने 98 नागरिकों को खो चुके हैं। उनकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है, जिसमें पुरानी बीमारी और बुढ़ापा भी शामिल है। अराफत के दिन छह भारतीयों की मौत हो गई और दुर्घटना के कारण चार भारतीयों की जान चली गई। पिछले साल हज के दौरान मरने वाले भारतीयों की संख्या 187 थी। हज के दौरान जायरिनों को घंटों तक चलना पड़ता है और प्रार्थना करना पड़ता है। इस दौरान सऊदी में तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हर साल कम से कम पांच लाख लोगों की मौत होती है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यह आंकड़ा 30 गुना बढ़ भी सकता है। हज के दौरान होने वाली मौतों को लेकर सऊदी अरब के राजनयिक पहले ही प्रतिक्रिया दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा हर साल होता है। हम यह नहीं कह सकते कि इस साल ऐसा ज्यादा हुआ। यह कुछ पिछले साल जैसा है, लेकिन हमें मालूम है कि यह आने वाले दिनों में और होगा। बता दें कि पिछले कई वर्षों से हज सऊदी अरब की भीषण गर्मियों के दौरान होता आया है। पिछले महीने प्रकाशित सऊदी के एक अध्ययन के अनुसार, जिस क्षेत्र में इबादत की जाती है, वहां का तापमान हर दशक 0.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ रहा है।

केजरीवाल को फिलहाल...

नहीं किया जाएगा जब तक वह सीएम केजरीवाल को दी गई जमानत को चुनौती देने वाली ईडी की याचिका पर सुनवाई नहीं कर लेता। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने ईडी के केजरीवाल की जमानत के खिलाफ हाईकोर्ट जाने को लेकर कहा कि मोदी सरकार की गुंडागर्दी देखिए अभी ट्रायल कोर्ट का आदेश ही नही आया आदेश की कॉपी भी नहीं मिली तो मोदी की ईडी हाईकोर्ट में किस आदेश को चुनौती देने पहुंच गई? क्या हो रहा है इस देश में? न्यायव्यवस्था का मजाक क्यों बना रहे हो मोदी जी पूरा देश आपको देख रहा है? वहीं, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा कि देश में तानाशाही इतनी बढ़ गई है कि ईडी किसी को छूट भी नहीं देना चाहती। ईडी अरविंद केजरीवाल जी के साथ देश के आतंकवादी की तरह व्यवहार कर रही है। अभी तो केजरीवाल जी की जमानत का आदेश अपडेट भी नहीं हुआ था कि ईडी स्टे लगवाने के लिए हाईकोर्ट पहुंच गई। लेकिन अभी हाईकोर्ट का फैसला आना बाकी है और हम आशा करते हैं कि हाईकोर्ट न्याय करेगा। गुरुवार को दिल्ली राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बड़ी राहत प्रदान करते हुए आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले जमानत प्रदान कर दी। इससे पहले केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा चुनावों में प्रचार किए लिए जमानत प्रदान की थी। उसके बाद दो जून को उन्होंने समर्पण कर दिया था। अवकाश न्यायाधीश नियाय बिंदु ने केजरीवाल और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दो दिनों तक सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। इससे पहले उन्होंने दिन में दोनों पक्षों के तर्क सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। उन्होंने कल ही स्पष्ट किया था कि वे बहस पूरी होने के बाद तुरंत ही फैसला देगी क्योंकि यह मामला हाई प्रोफाइल है। अदालत ने गुरुवार शाम आदेश सुनाए जाने के बाद ईडी ने अनुरोध किया कि क्या जमानत बांड पर हस्ताक्षर करने को 48 घंटे के लिए टाला जा सकता है ताकि आदेश को अपीलीय अदालत के समक्ष चुनौती दी जा सके। अदालत ने उनके आग्रह को खारिज करते हुए आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। अदालत ने अपने आदेश में केजरीवाल की जमानत एक लाख रुपए के निजी मुचलके पर स्वीकार की है। केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने इस आरोप में गिरफ्तार किया था कि वह कुछ शराब विक्रेताओं को फायदा पहुंचाने के लिए 2021-22 की अब समाप्त हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति में जानबूझकर खामियां छोड़ने की साजिश का हिस्सा थे। ईडी ने आरोप लगाया है कि शराब विक्रेताओं से प्राप्त रिश्वत का इस्तेमाल गोवा में आम आदमी पार्टी (आप) के चुनावी अभियान के लिए किया गया था और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक होने के नाते केजरीवाल व्यक्तिगत रूप से और अप्रत्यक्ष रूप से धन शोधन के अपराध के लिए उत्तरदायी हैं। केजरीवाल ने आरोपों से इनकार किया है और ईडी पर जबरन वसूली का रैकेट चलाने का आरोप लगाया है।

रूस के हमले से ...

संयत्रों को निशाना बनाने का उद्देश्य उसकी रक्षा तैयारियों को बाधित करना है। पश्चिमी सैन्य मदद पर निर्भर यूक्रेन सीमित, किंतु तेजी से रक्षा उद्योग को विकसित कर रहा है। इस बीच, रूसी प्राधिकरण के दो रीजन के अधिकारियों ने यूक्रेन द्वारा तेल डिपो को ड्रोन से निशाना बनाने की रिपोर्ट दी है। कहा दो दिन पहले ड्रोन हमले के बाद यूक्रेन ने दूसरी रिफाइनरियों को बड़े पैमाने पर निशाना बनाना शुरू कर दिया है। बुधवार रात किए हमले को भी यूक्रेन के सिक्योरिटी सर्विस यानी एसबीयू ने अंजाम दिया है। यूक्रेन की मदद के लिए पश्चिमी देश लगातार प्रयास कर रहे हैं। यूरोपीय संघ के राजदूतों ने रूस के विरुद्ध एक और शक्तिशाली प्रतिबंधों की श्रृंखला पर सहमति जताई है। बेल्जियम के राष्ट्रपति ने गुरुवार को यह जानकारी दी है। इसमें प्रमुख रूप से रूस के लिक्विड नेचुरल गैस (एलएनजी) आयात को निशाना बनाया जाएगा। कहा कि इसके बारे में अगले हफ्ते विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इस बीच, नाटो सदस्य रोमानिया ने यूक्रेन को पेट्रियट मिसाइल सिस्टम देने की घोषणा की है।

असमिया गामोछा के ...

ने सोशल मीडिया के जरिए प्रधानमंत्री मोदी को असमिया फूलाम गामोछा का *ब्रांड एंबेसडर* बताते हुए वैश्विक मंच पर असमिया विरासत को बढ़ावा देने में प्रधानमंत्री की भूमिका पर की सराहना की।

अधीर रंजन ने ...

कांग्रेस की शर्मनाक हार के बाद से अधीर रंजन चौधरी की भूमिका पर सवाल उठने लगे थे। लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस की ओर से शुक्रवार को एक समीक्षा बैठक बुलाई गई है। उसके पहले ही चौधरी ने इस्तीफा दे दिया है। उल्लेखनीय कि अधीर रंजन पांच बार बहरामपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद चुने गए थे। इस लोकसभा चुनाव में हार के बाद उन्होंने कहा था कि वह नहीं जानते कि उनका राजनीतिक भविष्य कैसा होगा। उन्होंने कहा था कि मुझे अभी तक अपने नेताओं की ओर से कोई फोन नहीं आया है। अधीर ने ये भी कहा था कि जब राहुल गांधी की *पूरब-पश्चिम भारत जोड़ो यात्रा* मुर्शिदाबाद पहुंची तो हमने उसमें हिस्सा लिया। हमारे पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक बार मालदा में प्रचार किया लेकिन बहरामपुर कभी नहीं आए। इस्तीफे के बाद कांग्रेस नेता ने कहा है कि तृणमूल ने जिस तरह से कांग्रेस पर अटैक किया, उसको देखते हुए मेरे लिए जरूरी था कि जवाब दूं। दरअसल, चुनाव के दौरान उन्होंने टीएमसी का पुरजोर विरोध किया था, जिस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सवाल उठाये थे।

नीट परीक्षा के विरुद्ध असम, नगालैंड और मणिपुर में जोरदार प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। *नीट* परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं के विरुद्ध आज असम, नगालैंड और मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में धरना दिया गया। परीक्षा में कथित अनियमितता के लिए एनडीए सरकार पर गैर जिम्मेदाराना काम करने का आरोप लगाते हुए गुवाहाटी के राजीव भवन परिसर में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा समेत एपीसीसी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं नेता, कार्यकर्ता मौजूद थे। वहीं, एक अन्य सूचना के अनुसार, नगालैंड कांग्रेस ने भी *नीट* परीक्षा में *अनियमितताओं* के खिलाफ प्रदर्शन किया। नगालैंड प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने परीक्षा में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कोहिमा में प्रदर्शन किया। उन्होंने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से कार्रवाई की मांग की और मोदी सरकार की आलोचना की। इधर, मणिपुर कांग्रेस ने भी इसके खिलाफ

विरोध-प्रदर्शन किया। *एनटीए पर प्रतिबंध लगाओ, नीट घोटाला* आदि लिखे हुए प्लेकार्ड, बैनर आदि लेकर प्रदर्शन किया गया। मणिपुर कांग्रेस ने कांग्रेस भवन में धरना के दौरान प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए न्याय की मांग की और शिक्षा घोटालों के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की। **वहीं** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की गुवाहाटी महानगर इकाई ने यूजीसी-नेट परीक्षा में गड़बड़ी के विरोध में शुक्रवार को गुवाहाटी कॉमर्स कॉलेज के सामने प्रदर्शन किया। हाल ही में यूजीसी-नेट परीक्षा में विसंगतियों और अनियमितताओं के कारण अचानक परीक्षा रद्द होने से अभ्यर्थियों में असमंजस का माहौल बना हुआ है। इस संबंध में अभाविप ने शिक्षा मंत्रालय से इस मुद्दे पर जल्द फैसला लेने और स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है ताकि छात्रों का भविष्य खतरे में न पड़े। अभाविप ने कहा है कि एनटीए द्वारा आयोजित परीक्षाओं में भारी अनियमितताएं देखने को मिल रही हैं। नीट-यूजी की परीक्षा में अनियमितता के बाद अब यूजीसी-नेट की परीक्षा का बीते दिन रद्द होना एनटीए जैसी सरकारी संस्था पर बड़ा प्रश्न चिह्न खड़ा करता है, जोकि अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाला विषय है। इस वर्ष विश्वविद्यालयों में पीएचडी में प्रवेश भी यूजीसी-नेट के माध्यम से होने थे। परीक्षा रद्द होने से पीएचडी प्रवेश के अभ्यर्थियों के मन में भी गहरी शंकाएं उत्पन्न हो गई हैं। अभाविप ने शिक्षा मंत्रालय से मांग की है कि इस संबंध में संबंधित एजेंसियों को स्थिति शीघ्र स्पष्ट करनी चाहिए जिससे पीएचडी के अभ्यर्थियों का भी किसी प्रकार से नुकसान न होने पाए तथा परीक्षा पूर्णतया निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। अभाविप असम प्रांत के प्रांत मंत्री हेरल्ड महन ने कहा कि परीक्षाओं में लगातार अनियमितताओं की घटनाएं विचलित करने वाली एवं दुर्भाग्यपूर्ण हैं जो न केवल एनटीए जैसी परीक्षा एजेंसियों की क्रेडिबिलिटी पर प्रश्न चिह्न खड़ा करती हैं बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली हैं। यह स्थिति किसी भी प्रकार से स्वीकार्य नहीं है। इसी क्रम में बीते दिन यूजीसी-नेट की परीक्षा का रद्द होना, यूजीसी नेट के अभ्यर्थियों के साथ-साथ पीएचडी प्रवेश की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों का भविष्य भी अधर में डालने वाला है। अभाविप ने मांग किया है कि लगातार होने वाली इस प्रकार की अनियमितताओं की जांच सीबीआई से करवानी चाहिए एवं दोषियों को कठोर दंड सुनिश्चित करना चाहिए।

मंत्री सिंघल ने पुनर्निर्माणाधीन *पदुम पुखुरी* और *बरपुखुरी* का लिया जायजा

शोणितपुर (हिंस)। असम के शहरी विकास आदि मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने आज तेजपुर शहर के केंद्र में स्थित *पदुम पुखुरी* और *बरपुखुरी* के विकास और सौंदर्यीकरण कार्य का जायजा लिया। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि असम सरकार के आवास और शहरी मामलों के विभाग के तकनीकी सेल द्वारा कार्यान्वित यह परियोजना तालाबों के पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करने में मदद करेगी और तेजपुर शहर की सुंदरता को एक नया आयाम देगी। आज के निरीक्षण के दौरान मंत्री के साथ विधायक पृथ्वीराज राभा, परियोजना के वरिष्ठ मंडल अधिकारी और ठेकेदार भी उपस्थित थे।

भीषण बाढ़ की चपेट में असम के 22 जिले

गुवाहाटी (हिंस)। असम भीषण बाढ़ की चपेट में है। राज्य के 22 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। राज्य आपदा प्रबंधन की ओर से जारी सूचना के अनुसार राज्य की कपिली (कामपुर), कटाखाल (माटीजुरी), बराक (बदरपुर घाट) तथा कुशियारा (करीमगंज) नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। राज्य में बाढ़ से प्रभावित 22 जिलों में तामुलपुर, बरपेटा, करीमगंज, उदालगुड़ी, कामरूप, लखीमपुर, कोकराझाड़, कामरूप (मेट्रो), होजाई, दक्षिण सालमारा, कछार, नलबाड़ी, दरंग, ग्वालपाड़ा, बंगाईगांव, बाक्सा, नगांव, शोणितपुर, बिश्वनाथ, हैलाकांदी, बजाली तथा पश्चिम कार्बी आंगलोंग शामिल हैं। वहीं, राज्य में 67 राजस्व मंडलों के 1311 बाढ़ग्रस्त गांवों की 23186 आबादी बाढ़ प्रभावित है। बाढ़ के कारण 509.91 हेक्टेयर फसल क्षेत्र प्रभावित हुई है। प्रशासन द्वारा व्यापक पैमाने पर राहत और बचाव कार्य किये जा रहे हैं। राज्य में 105 राहत शिविर और 78 राहत वितरण केंद्र खोले गए हैं। जहां राहत शिविरों में कुल 14215 लोग रह रहे हैं। वहीं, राहत वितरण केंद्रों पर अपने घरों से आकर राहत लेने वाले लोगों की संख्या 108263 है। जबकि, बाढ़ के कारण प्रभावित हुए पशुओं की संख्या 354393 है।

बाढ़ के पानी में डूबी नाव स्कूल जा रहा छात्र डूबा

बरपेटा (हिंस)। जिले के सर्थेबारी इलाके में स्कूल जा रहा एक सात वर्षीय छात्र बाढ़ के पानी में डूबने के बाद बह गया। पुलिस ने आज बताया कि घटना बेसीमारी पामगांव की है। छात्र नाव से स्कूल जा रहा था। इसी बीच नाव दुर्घटनाग्रस्त हो कर पानी में डूब गई। नाव पर सवार अन्य छात्र एवं लोग तैरकर किनारे पहुंच गए, जबकि, सर्थेबारी रंगिया नदी के पामगांव निवासी सात वर्षीय छात्र कैस अहमद बाढ़ के पानी में डूब गया।

पुलिस मुठभेड़ में डकैत घायल पिस्तौल के साथ दो गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। बोकाखात के अगरातली में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में एक डकैत घायल हो गया, जबकि गिरोह के अन्य दो सदस्यों को इटली में निर्मित एक 9 एमएम पिस्तौल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि घायल व्यक्ति की पहचान पल्लव बसुमतारी के रूप में हुई है। बसुमतारी गिरोह पर कई डकैती के मामलों में शामिल होने का आरोप है। वह तीन सदस्यीय गिरोह का हिस्सा है। घायल अवस्था में उसे बोकाखात उप-मंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह घटना आज तड़के उस समय हुई जब पुलिस को देखते ही डकैतों ने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद हुई मुठभेड़ में पुलिस ने गिरोह के दो अन्य सदस्यों बाबू सैकिया और गौतम दलै को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कार और बाइक की हुई चोरी से संबद्ध मामले को लेकर घटनास्थल पर पहुंची थी।

आलोक भवन में मना अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। नारायण नगर स्थित आलोक भवन के संघ साधक मधुकर लिमये सभागार में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इसमें प्रशिक्षक प्रतिभा तेरांग्पी ने योग की विभिन्न आसनों को अभ्यास कराया। उन्होंने योग से शरीर को होने वाले लाभ पर और महत्व प्रर प्रकाश डाला। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के क्षेत्र प्रचार प्रमुख सुनिल मोहंती, गुवाहाटी महानगर के संघचालक गुरु प्रसाद मेधी, आर्य नगर के कार्यवाह राजू गुप्ता के साथ ही काफी संख्या में स्वयंसेवक मौजूद थे। इससे पहले गुरुवार को हिन्दू साम्राज्य

दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया था। जिसमें काफी संख्या में स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय इतिहास संकलन समिति के उत्तर असम प्रांत के प्रचार प्रमुख निपेन सैकिया ने अपना बौद्धिक रखा। साथ ही भारत के इतिहास पर प्रकाश डाला।

राज्यभर में विभिन्न संगठनों ने मनाया दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

गुवाहाटी/कोकराझाड़/रंगिया/नगांव/होजाई/नगरबेड़ा/बंगाईगांव/(विभास)। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) प्रमोद बोरो ने एक भावपूर्ण संदेश में राष्ट्रीय योग दिवस को अपनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना आभार व्यक्त किया। बोरो ने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल मानव जीवन में योग के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। बोरो ने समाज के सभी वर्गों के लोगों से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की, शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) प्रशासन और इको टास्क फोर्स (ईटीएफ) की 135 बटालियन ने संयुक्त रूप से बीटीसी सचिवालय के सामने एक योग कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में बीटीसी अधिकारियों, ईटीएफ सदस्यों और एनसीसी कैडेटों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिन्होंने विभिन्न योग आसन किए। सामूहिक प्रदर्शन ने योग के माध्यम से एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए बीटीसी और संबद्ध बलों की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए राष्ट्रीय आंदोलन का समर्थन करने के लिए क्षेत्र के समर्पण का प्रमाण था। **नगरबेड़ा** से हमारे संवाददाता के अनुसार आज दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जा रहा है और साथ ही बरपेटा जिले में मंडिया खंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत आलोपती चर लघु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी योग दिवस मनाया जा रहा है। योग दिवस कार्यक्रम में आलोपटी चर लघु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रयोगशाला तकनीशियन परिमल सरकार का प्रबंधन कर रहे सभी कार्यकर्ताओं ने दाई, आशा कार्यकर्ता एमपीडब्ल्यू राहिनुर रहमान आदि सहित अन्य व्यक्तियों के साथ आज के योग में भाग लिया। सभी कर्मचारी भाग लेते हैं और अच्छी तरह से सुसज्जित और निरोगी होने की प्रतिज्ञा के बारे में बात करते हैं। आलोपटी चर लघु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ऐसा दिवस मनाकर विश्व स्वास्थ्य सेवा में की गई सराहनीय पहल की सभी ने सराहना की है। **गुवाहाटी** से हमारे संवाददाता के अनुसार आज मॉडर्न इंग्लिश स्कूल (एमईएस), काहिलीपाड़ा, गुवाहाटी के परिसर में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। शिक्षार्थियों ने योग के माध्यम से पूरे आयोजन को आनंद और सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मधुर सामूहिक संगीत से हुई। फिर अर्नव कोंवर, दीपसिखा पुरकायस्थ और दिगंगना मधुकुल्या ने प्रेरणादायक भाषणों से कार्यक्रम को और अधिक दिलचस्प बना दिया। बृष्टि प्रिया मजूमदार और आयुष हुसैन ने अपने मनोरम आवृत्ति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल और छात्रों ने शिक्षार्थियों द्वारा रंगीन कलाकृति और लेखों से भरे एक प्रदर्शनी बोर्ड का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था हमारे योग प्रशिक्षक सैफुल इस्लाम के मार्गदर्शन में छात्रों द्वारा दिलचस्प योग प्रदर्शन। योग के सार को प्रदर्शित करने वाले इस कार्यक्रम के द्वारा सामूहिक कल्याण के लिए छात्रों के समर्पण के माध्यम से योग के सिद्धांत को भी श्रद्धांजलि दी गई। हमारे योग प्रशिक्षक सैफुल इस्लाम के मार्गदर्शन में, एमईएस छात्रों ने पूर्ण ध्यान के साथ योग मुद्राओं का खूबसूरती से प्रदर्शन किया। माहौल सकारात्मक विचारों और हँसी-खुशी से भरा हुआ था। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा ने हमेशा अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ-साथ अपने छात्रों के समग्र विकास में भी विश्वास किया है। स्कूल ने हाल ही में छात्रों के शारीरिक विकास के लिए बास्केटबॉल, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल, तायक्वोंडो, शतरंज और योग केंद्र के रूप में अपनी एमईएस स्पोर्ट्स अकादमी लांच की है। **होजाई (निसं)** से हमारे संवाददाता के अनुसार होजाई जिला प्रशासन के तत्वधान में जिला मुख्यालय शंकरदेव नगर में सामूहिक सभागार में आज 10 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित के साथ हुआ। होजाई के विधायक रामकृष्ण घोष के साथ अतिरिक्त उपायुक्त, होजाई पौर सभा की सभानेत्री सहीत सभी विभागों के अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, विधायक रामकृष्ण घोष ने कहा योग मन और शरीर के बीच संतुलन लाता है और एक व्यक्ति को सही रास्ते पर जाने में सक्षम बनाता है। उन्होंने होजाई वासीयों से नियमित रूप से योग को 15 मिनट तक करने का आग्रह किया। इस दौरान का विद्यालयों व महाविद्यालय के छात्र-छात्रों ने योग कार्यक्रम में अंश ग्रहण किया। दूसरी और होजाई स्थित शिशुगांव (एसओएस चिल्ड्रेन विलेज) के परिवार सुदृढ़ीकरण कार्यक्रम ने अपने सभी एफएस स्थानों जैसे धनुहार बस्ती, हीराबस्ती, मिलिक बस्ती और हवाईपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। पतंजलि के योग गुरु और स्थानीय योग शिक्षकों ने सभी प्रतिभागियों को योगाभ्यास करवाया व उनके महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान शिशुगांव के परिवार सुदृढ़ीकरण कार्यक्रम द्वारा गठित आठ बाल पंचायतों के बच्चों और समुदाय के बच्चों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। **बंगाईगांव** से हमारे संवाददाता के अनुसार बंगाईगाव जिला प्रशासन तथा राष्ट्रीय आयुष अभियान के तत्वाधान में एवं पतंजलि योग समिति, बंगाईगांव के सहयोग से शुक्रवार को स्थानीय चिला राय इंडोर स्टेडियम में दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का पालन किया गया। बंगाईगांव जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुपम डेका द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ योग दिवस का शुभारंभ किया गया। उसके बाद पतंजलि योग समिति के सदस्यों द्वारा एक भजन प्रस्तुत किया गया। सामूहिक योग अभ्यास के पहले बंगाईगांव जिला आयुष विभाग के नोडल अधिकारी श्री मुकुल शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। अतिरिक्त जिला आयुक्त डिंपी गोगई के नेतृत्व में जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें चारों शाखों के अंतर्गत विजय प्रतियोगी को पुरस्कार दिया गया। शाखा क में स्नेहा महतो, शाखा ख मे संदीप बाकाली, शाखा ग में प्रयुक्ता घोष एवं शाखा घ में सुभ राय सिंघो को पुरस्कृत किया गया। आज के इस योग कार्यक्रम में बंगाईगांव जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी अंश ग्रहण किया। उधर बंगाईगांव में कई संस्थाओं द्वारा भी योग दिवस पालन करने के समाचार प्राप्त हुए हैं। **गुवाहाटी** से हमारे संवाददाता के अनुसार टोकोबाड़ी के हरेन कलिता पथ के सार्वजनिक पूजा मंडप के ऊपर नगर निगम द्वारा 15वीं वित्तीय आयोग की पूंजी से निर्मित सामुदायिक भवन का उद्घाटन मेयर मृगेन सरनिया ने दीप प्रज्ज्वलित व फीता काटकर किया। इस अवसर पर 16 नंबर वार्ड के पार्षद प्रमोद स्वामी और 18 नंबर वार्ड के पार्षद शंकर चक्रवर्ती के अलावा नगर निगम की डिवीजन चार की कार्यकारी अभियंता वंदना ओझा उपस्थित थी। प्रमोद स्वामी ने इस अवसर पर कहा कि आज के दिन हमारे मेयर का जन्मदिन है और आज उन्हीं के हाथों से इस सामुदायिक भवन का शुभारंभ होने जा रहा है। मेयर ने इस अंचल के लोगों की काफी समय से चली आ रही मांगों को मानते हुए आज इसे पूरी कर इस सामुदायिक भवन का शुभारंभ कर दिया है। इसके नीचे बने शौचालय को भी नव निर्मित करवा दिया जाएगा। इस अवसर पर मृगेन सरनिया ने कहा कि गत कई महीनो से नगर के किसी भी वार्ड में सामुदायिक भवन, श्मशान या सार्वजनिक शौचालय को पुन: निर्माण कर उसका नवीनीकरण किया जा रहा है। गत एक फरवरी से पैंतीस समितियां गठन की गई। जिसके अंतर्गत सत्ताईस शौचालय और उन्नीस शमशान का पुनर्निर्माण किया गया। दूसरे चरण में सात सामुदायिक भवन, ग्यारह शौचालय चार श्मशान का पुनर्निर्माण का काम शुरू किया जाएगा। सामुदायिक भवनों के निर्माण से स्थानीय लोगों के छोटे-छोटे पारिवारिक समारोह के आयोजन करने में काफी सुविधा मिल जाएगी। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने उपस्थित होकर गुवाहाटी नगर निगम के इस कार्य की सराहना की। दूसरी ओर महेश योग सत्संग समिति के सौजन्य से माहेश्वरी भवन के स्थाई योग शिविर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सिंहस्थल पीठाधीश्वर क्षमा राम जी महाराज ने क्षणिक रुकते हुए साधकों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक लूणकरण मुंदड़ा के संयोजक में आयोजित इस शिविर में योग प्रशिक्षिका के रूप में सरस्वती बिन, शंकर बील, आदिता अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, मदन मोहन मल, कुंज बिहारी काबरा और हास्य प्रशिक्षक सुशील किल्ला ने भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देश के अनुसार कई तरह की योग क्रियाएं कराई। गौरतलब है कि महेश्वरी भवन में महेश योग सत्संग समिति गत 29 वर्षों से स्थाई रूप से योग अभ्यास करवाती आ रही है। **नगांव** से हमारे संवाददाता के अनुसार जिला प्रशासन के सहयोग से और राष्ट्रीय आयुष मिशन के तत्वावधान मे आज दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस नगांव पुलिस रिजर्व सामूहिक भवन मे संपन्न हुआ। जातीय गीत के द्वारा आरंभ हुए योग दिवस का आयुक्त नरेंद्र कुमार साह ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंन अपने स्वागत भाषण मे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उदेश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समग्र विश्व की मानव जाति का शरीर स्वस्थ व मन प्रफुल्लित रहने का सुगम साधन है। इंसान सुस्वस्थ रहेगा तो मन स्वस्थ रहेगा मन स्वस्थ रहेगा तो समाज स्वस्थ रहेगा। आमंत्रित अतिथि के रुप मे बोलते हुए विधायक रूपक शर्मा ने कहा शारीरिक व्यायाम, योगासन या योगाभ्यास के माध्यम से हम शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते है। उन्होंने योग को दैनिक जीवन मे अपनाने की सलाह देते हुए युवको से आह्वान किया कि वे अपने दैनिक जीवन मे योग को अपनाएं। इसके बाद उपस्थित सभी ने योगाभ्यास किया। नगांव निर्वाण योग केंद्र के योग प्रशिक्षक प्रभात बोरा व उनके योग केंद्र के विद्यार्थियों द्वारा सभी को योग करवाया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य मे गत 15 जून को आयोजित योगासन प्रतियोगिता के स्थान प्राप्त प्रतियोगियो मे पुरस्कार वितरण किए गए। इस वर्ष दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग की थीम थी स्वयं और समाज के लिए योगासन। आज के इस आयोजन मे नगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद के प्रतिनिधि डॉ. राजीव सइकिया, जिला उन्नयन आयुक्त गुनजीत कश्यप, जिला परिषद के मुख्य कार्यवाहक अधिकारी अनंत कुमार गोगोई, जिला पुलिस अधीक्षक स्वप्निल डेका, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रणब कुमार कलिता, जिला जॉइंट स्वास्थ्य संचालक डॉ. फनी पाठक, जिला स्वास्थ्य समिति (आयुष) के नोडेल अधिकारी डॉ. धिरेन कुमार नाथ सहित काफी सरकारी अधिकारीगण योग दिवस पर उपस्थित थे। इधर शहर की विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं ने भी अलग-अलग स्थानो पर किसी योग प्रशिक्षक के माध्यम से योगाभ्यास कर दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। **गुवाहाटी** से हमारे संवाददाता के अनुसार आठगांव स्थित मारवाड़ी हॉस्पिटल के सभागार में अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर, नर्स एवं अन्य कर्मचारियों को योग अभ्यास कराते हुए डॉक्टर शालिनी शर्मा ने कई तरह के योग आसन करवाएं। शालिनी शर्मा ने योग के औचित्य के बारे में भी समझाया तथा प्राणायाम भी करवाया। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सा निदेशक जेपी शर्मा, अस्पताल अधीक्षक रोहित उपाध्याय के अलावा डॉक्टर, नर्स और कर्मचारी उपस्थित थे। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार रंगिया के महकमधिपति कार्यालय के तत्वावधान में आज रंगिया में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। रंगिया के रेलवे सामुदायिक भवन में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त जिला आयुक्त तथा रंगिया के महकमधिपति देवाशीष गोस्वामी ने स्वागत भाषण के साथ प्रात: 7 बजे किया। इस डेढ़ घंटे के योग सत्र के दौरान योगाचार्य ज्योतिष कलिता ने प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रतिदिन योगाभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया। सत्र में महकमा प्रशासन के विभिन्न विभागों से अधिकारियों सहित बहुत से गणमान्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संयोजन में महकमाधीपति देबाशीष गोस्वामी द्वारा स्वेच्छासेवी संस्था साधना द्वारा तैयार की गई तथा योगाचार्य ज्योतिष कलिता द्वारा संपादित *योग प्रभाती* नामक पुस्तिका के 10वें संस्करण का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जानेमाने चिकित्सक डॉ. हितेंद्र कलिता ने प्रतिभागियों से मन, शरीर एवं आत्मा के समग्र विकास के लिए योग को दैनिक जीवन में शामिल करने का आग्रह किया। आज के सत्र में रंगिया के सर्कल अधिकारी भास्कर ज्योति कलिता, महकमा चुनाव अधिकारी डश नील हरित कौशिक, सहायक आयुक्त कृतांजलि कश्यप और जिलजिली थाओसेन, रंगिया महकमा तथ्य एवं जनसंयोग अधिकारी हिमाद्री चूतिया, दंत चिकित्सक खबरूद्दीन अहमद, रंगिया महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभागा की अध्यापिका रानू चौधूरी उपस्थित रही।

संपादकीय

रेल हादसों के सबक

बीते दिनों पश्चिम बंगाल में जो रेल दुर्घटना हुई थी, उसमें 10 लोगों को अपनी जिंदगी खोनी पड़ी। कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन सियालदाह जाने वाली थी, लेकिन मालगाड़ी ने पीछे से टक्कर मारी और बहुत कुछ ध्वस्त हो गया। पीछे की दो बोगियां मलबा बन गईं। कुछ बोगियां पटरी से नीचे उतर कर पलट गईं। घायलों की संख्या भी 50-60 बताई गई थी। हम उनके स्वस्थ होने और अपने-अपने घर लौटने की दुआ करते हैं। दुर्घटना कोई भी हो, विध्वंस होती है। बीते साल ओडिशा के बालासोर में इतनी भयानक दुर्घटना हुई थी कि प्रधानमंत्री मोदी घटनास्थल पर गए थे। रेल मंत्री का तो यह फर्ज बनता है। उसकी तुलना में इस बार मृतकों की संख्या बहुत कम है। बालासोर हादसे के बाद यही त्रासदी सामने आई है। दुर्घटना की शुरुआती रपटें इसे 'मानवीय चूक' करार दे रही हैं। संभव है कि ऐसा ही हो, लेकिन रेलवे सुरक्षा आयुक्त की सम्यक जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि टक्कर का बुनियादी कारण क्या था? जांच में यह तथ्य भी विचाराधीन होना चाहिए कि मालगाड़ी का लोको पायलट लगातार चार रातों से सोया नहीं था। यह भी अमानवीय नौकरी है। नियम अधिकतम दो रात लगातार ड्यूटी करने की अनुमति देते हैं। यह भी अमानवीय नियम है। वैकल्पिक लोको पायलटों की व्यवस्था होनी चाहिए। यह कैसे होगा, क्योंकि रेलवे में बीते 10 सालों से करीब तीन लाख पद खाली पड़े हैं। उनमें 21 फीसदी लोको पायलट के पद हैं। उन्हें कब भरा जाएगा? वे तो स्वीकृत और अधिकृत पद हैं, फिर सरकार को इन पदों को भरने में क्या दिक्कत रही है? खुद रेलवे बोर्ड का मानना है कि लोको पायलट की लगातार कई घंटों, दिनों की नौकरी भी बड़े हादसों का बुनियादी कारण है। 'कवच' एक ऑटोमैटिक रेल सुरक्षा सिस्टम है, जिसे स्वदेशी तौर पर ही विकसित किया गया है। सवाल है कि बालासोर रेल हादसे के बाद एक भी रूट किलोमीटर 'कवच' प्रणाली स्थापित क्यों नहीं की जा सकी? इसका जवाब रेल मंत्री देंगे अथवा जांच के बाद कोई यथार्थ सामने आएगा! अभी तक 1465 रूट किमी और 139 रेल इंजनों पर ही 'कवच' स्थापित किया गया है। यह स्थिति फरवरी, 2024 की है और दक्षिण मध्य रेलवे में ही यह व्यवस्था की गई है। बताया जाता है कि कई हजार रूट किमी पर 'कवच' प्रणाली के लिए टेंडर दे दिए गए हैं। वे कब तक इस सुरक्षा प्रणाली को स्थापित कर देंगे, ताकि कोई भी अमूल्य जिंदगी गंवानी न पड़े? 'कवच' ही सुरक्षा की 100 फीसदी गारंटीशुदा व्यवस्था नहीं है। सिग्नल और इंटरलोकिंग सरीखी तकनीकी समस्याएं हैं, जिनके कारण रेलवे टकराव होते हैं और त्रासद हादसे सामने आते हैं। सिग्नल खराब होने की स्थिति में लोको पायलट्स को ट्रेन कैसे चलानी है, इसका पर्याप्त प्रशिक्षण पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोको स्टाफ को आज तक नहीं दिया गया है। ऑल इंडिया रनिंग लोको स्टाफ एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एसएस ठाकुर का बयान गौरतलब है कि सिग्नल फेल होने पर जिस वैकल्पिक फॉर्म टीए-912 के जरिए ट्रेनें चलाई जाती हैं, उससे जुड़ा एक नियम यह भी है कि तब तक आगे वाली ट्रेन अगला स्टेशन पार न कर ले, तब तक दूसरी ट्रेन को पिछले स्टेशन से आगे नहीं बढ़ाते हैं। इस बार यह नियम नहीं माना गया, तो गलती से हादसा हो गया। हालांकि बालासोर दुर्घटना के बाद कुछ प्रयास किए गए थे, ताकि ये विसंगतियां कम की जा सकें। सवाल यह भी पूछा जाना चाहिए कि भारतीय रेल की व्यापकता को अपेक्षाकृत सुरक्षित करने के मद्देनजर क्या 'कवच' प्रणाली को कुछ शीघ्रता से स्थापित नहीं किया जा सकता? सवाल यह भी है कि क्या 'वंदे भारत' सरीखी ट्रेन के आकर्षक आधुनिकीकरण पर राजनीतिक और नीतिगत फोकस अधिक है, लिहाजा 'कवच' जैसी प्राथमिकताएं पीछे छूट जाती हैं? क्या रेलवे की सुरक्षा से ऐसे समझौते किए जा सकते हैं? सवाल यह भी वाजिब है कि राष्ट्रीय रेल सुरक्षा कोष में 75 फीसदी फंडिंग कम क्यों की गई? सुरक्षा कोष के पैसे रेल अधिकारी क्यों खर्च कर रहे हैं? रेल हादसे होते हैं, तो ऐसे सवाल भी उठाए जाते हैं।

दुर्घटना कोई भी हो, विध्वंस होती है। बीते साल ओडिशा के बालासोर में इतनी भयानक दुर्घटना हुई थी कि प्रधानमंत्री मोदी घटनास्थल पर गए थे। रेल मंत्री का तो यह फर्ज बनता है। उसकी तुलना में इस बार मृतकों की संख्या बहुत कम है। बालासोर हादसे के बाद यही त्रासदी सामने आई है। दुर्घटना की शुरुआती रपटें इसे 'मानवीय चूक' करार दे रही हैं। संभव है कि ऐसा ही हो, लेकिन रेलवे सुरक्षा आयुक्त की सम्यक जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि टक्कर का बुनियादी कारण क्या था? जांच में यह तथ्य भी विचाराधीन होना चाहिए कि मालगाड़ी का लोको पायलट लगातार चार रातों से सोया नहीं था। यह भी अमानवीय नौकरी है। नियम अधिकतम दो रात लगातार ड्यूटी करने की अनुमति देते हैं। यह भी अमानवीय नियम है। वैकल्पिक लोको पायलटों की व्यवस्था होनी चाहिए। यह कैसे होगा, क्योंकि रेलवे में बीते 10 सालों से करीब तीन लाख पद खाली पड़े हैं। उनमें 21 फीसदी लोको पायलट के पद हैं। उन्हें कब भरा जाएगा? वे तो स्वीकृत और अधिकृत पद हैं, फिर सरकार को इन पदों को भरने में क्या दिक्कत रही है? खुद रेलवे बोर्ड का मानना है कि लोको पायलट की लगातार कई घंटों, दिनों की नौकरी भी बड़े हादसों का बुनियादी कारण है।

लैंगिक अंतर के आंकड़ों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा

भारत में लैंगिक असमानता की बढ़ती खाई

ललित गर्ग

निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है।

विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़ों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है? निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है? लगातार महिलाओं की दोयम दर्जा की स्थिति का बना रहना नीति-नियंताओं के लिये आत्ममंथन का मौका हैं। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर महिला असमानता के दंश विद्यमान रहना बड़ी चुनौती है। लैंगिक अंतर सूचकांक में पिछले साल भारत 127वें स्थान पर था, जो 2022 में 135वें स्थान से 1.4 प्रतिशत अंक और आठ पायदान ऊपर था। लेकिन इस वर्ष फिर दो पायदान ऊपर चढ़ा है। सूचकांक में भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइसलैंड (93.5 फीसदी) फिर से पहले स्थान पर है और डेढ़ दशक से सूचकांक में सबसे आगे है। शीर्ष 10 में शेष नौ अर्थव्यवस्थाओं में से आठ ने अपने अंतर का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा पाट लिया है। निश्चित तौर पर किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। जिसकी एक वजह समाज में पुरुष प्रधानता की सोच भी है। जिसके चलते यह आभास होता है कि आधी दुनिया के कल्याण के लिये बनी योजनाएं महज घोषणाओं तथा फाइलों तक सिमट कर रह जाती हैं। भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता की स्थितियों का बना रहना विडम्बनापूर्ण हैं। भारत में रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के स्वर तो बहुत सुनने को मिलते हैं, महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार भी पुरुषों के बराबर दिया गया है, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है? हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं? जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर-सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे। महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज भी महिला असमानता की स्थितियां बनी हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। क्योंकि भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है।

भारत में महिला रोजगार को लेकर चिंताजनक स्थितियां हैं। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। रोजगार या नौकरी का जो क्षेत्र स्त्रियों के सशक्तिकरण का सबसे बड़ा जरिया रहा है, उसमें इनकी भागीदारी का अनुपात बेहद चिंताजनक हालात में पहुंच चुका है। यों जब भी किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है। दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों? नरेन्द्र मोदी की पहल पर निश्चित ही महिलाओं पर लगा दोयम दर्जा का लेबल हट रहा है। हिंसा एवं अत्याचार की घटनाओं में भी कमी आ रही है। बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पढ़-लिखकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे उन क्षेत्रों में जा रही हैं, जहां उनके जाने की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। वे टैक्सी, बस, ट्रक से लेकर जेट तक चला-उड़ा रही हैं। सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा कर रही है। अपने दम पर व्यवसायी बन रही हैं। होटलों की मालिक हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लाखों रुपये की नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू कर रही हैं। वे विदेशों में पढ़कर नौकरी नहीं, अपने गांव का सुधार करना चाहती हैं।

दृष्टि कोण

हिमाचलियों के रोजगार लील रहे प्रवासी

हिमाचल प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र काफी कम है। सोलन जिले के बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ में बड़ी संख्या में उद्योग हैं। इसके अलावा अन्य जिलों में बेहद सीमित संख्या में छोटे उद्योग स्थापित हैं। इस समय हिमाचल में कुल आबादी लगभग 77.56 लाख है, जिनमें से करीब 23 लाख युवा हैं। हिमाचल प्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2023 तक हिमाचल में पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या 744771 थी। कांगड़ा में सबसे अधिक 157405 और लाहौल-स्पीति में सबसे कम 5013 पंजीकृत बेरोजगार थे। रोजगार पाने का एक दूसरा विकल्प स्वरोजगार है और बड़ी संख्या में हिमाचलियों ने अपने आपको इस क्षेत्र में नियोजित भी किया हुआ है, लेकिन पिछले दो दशकों में तस्वीर का रुख बदल चुका है क्योंकि गृह निर्माण से जुड़े सभी तकनीकी कामों पर प्रवासी भारतीयों का दबदबा कायम हो चुका है। चूंकि इन्हें हिमाचल में अपने राज्यों की बनिस्बत मजदूरी भी ठीक ठाक मिल रही है, मौसम भी अच्छा है, लिहाजा ये लोग अपने परिवारों सहित यहां के लगभग स्थायी निवासी बन चुके हैं, जिसकी तस्दीक हिमाचल के गांव कस्बों में इनकी बढ़ती भीड़ करती है। छोटे छोटे काम धंधों, यहां तक कि कबाड़ इक_ा करने से लेकर अब ये प्रवासी लोग ऑटो चलाने, मूंगफली और सब्जियां बेचने और बर्गर-टिक्की, गोलगप्पे रेहड़ी फड़ी वाले कामधंधों में जमकर नोट कमा रहे हैं और स्थानीय युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में प्रायः दूसरे राज्यों के प्रवासी मजदूरों द्वारा आपराधिक घटनाओं की खबरें भी अखबारों में पढने को मिलती रहती हैं। वहीं हिमाचल में होने वाले अनेकों अपराधों की जड़ों में प्रवासियों की संलिप्तता से कहीं न कहीं शांत हिमाचल की वादियों के ईमानदार, अमन पसंद और कानून प्रिय नागरिकों के बीच भय का वातावरण निर्मित होता है। इन घटनाओं की प्रतिक्रिया स्वरूप लोगों का आक्रोशित होना स्वाभाविक भी है। भारत में अंतर राज्य प्रवास और क्षेत्रीय विषमता पर एक अध्ययन में पाया गया है कि बीते कुछ दशकों में रोजगार के लिए पलायन बढ़ा है और इसके पीछे अविकसितता, गरीबी, स्थानीय अव्यवस्था, क्षेत्रीय विषमता, सामाजिक असमानता आदि मुख्य कारण रहे हैं। इसके अलावा गरीबी रेखा से नीचे होना, जातिगत विभाजन, प्रति व्यक्ति आय में निम्नता, सामाजिक-आर्थिक विषमता और रोजगार में कमी आदि अन्य कारक भी अंतर राज्य पलायन को बढ़ावा देते हैं। 2001 में जहां यह संख्या 314.5 मिलियन थी तो 2011 में यह आंकड़ा बढक़र 453.6 मिलियन हो गया, औसतन हर साल एक करोड़ 40 लाख लोगों का पलायन हो रहा है। अंतर राज्य प्रवासियों में हो रही बढ़ोतरी में 27 फीसदी उन लोगों की संख्या है जो 20 से 29 वर्ष के आयुवर्ग के हैं। पिछले कई वर्षों से बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से हजारों की संख्या में आने वाले प्रवासियों का हिमाचल पसंदीदा ठिकाना बन चुका है। स्थानीय मिस्त्रियों और मजदूरों द्वारा निर्माण कार्यों से किनारा करने तथा निर्माण कला की नवीनतम बारीकियों को न सीखने और अपना काम तेजी से न निपटाने की आदत के चलते भी अब इन प्रवासियों ने संपूर्ण हिमाचल के गांव-कस्बों में अपने परमानेंट ठिकाने बना लिए हैं और मुंहमांगी दिहाड़ी मांगकर मोटी कमाई कर रहे हैं। यह सत्य है कि भारतीय संविधान भारत के नागरिकों को पूरे देश में जाकर कहीं भी किसी भी प्रकार का कार्य करने का अधिकार प्रदान करता है, लेकिन आज हिमाचल प्रदेश में खुद जहां नौ लाख से ज्यादा बेरोजगार रोजगार पाने की बाट जोह रहे हों या पड़ोसी राज्यों में जाकर अपनी आजीविका हेतु संघर्ष कर रहे हों, वहां पर प्रवासियों का अधिक संख्या में आकर हिमाचल के कामधंधों पर अपना एकाधिकार स्थापित करना हमारे युवा हिमाचलियों की रोजगार संभावनाओं को प्रभावित करता है। हिमाचल में स्थायी रूप से डेरा जमा चुके इन प्रवासियों की वजह से पर्यावरण संबंधी कई समस्याएं भी खड़ी हो रही हैं। पिछले 35-40 वर्षों से राजस्थानी मजदूर अपने परिवारों के साथ पक्के घरों में न रहकर प्रदेश के लगभग सभी बड़े गांव-कस्बों और शहरों में झुग्गियां बसाकर निवास करते आ रहे हैं और अपनी दैनिक शौच-स्नान संबंधी गतिविधियों को खुले में अंजाम देते हैं। कुछ ऐसी ही समस्याएं अन्य राज्यों से आए मजदूरों द्वारा भी खड़ी की जा रही हैं। एक-एक कमरे में 10-12 लोगों का रहना, पर्याप्त पानी न होने अथवा गैस कनेक्शन न होने के चलते खुले में शौच करना और लकडियां जलाना और ऊंची-ऊंची आवाज में शोर करना, दारू पीकर आपस में मारपीट करना और झगड़ना इनकी सामान्य प्रवृत्ति है, जिस वजह से आस पड़ोस के रहने वाले शांतिप्रिय हिमाचलियों को मानसिक संताप झेलना पड़ता है। ज्यादातर प्रवासियों का पुलिस के पास पंजीकरण भी नहीं है। शायद ही कभी स्थानीय पुलिस उनकी गतिविधियों और कार्यप्रणाली की छानबीन करती हो या गश्त करती मिले। आज अकेले बीबीएन में ही प्रवासियों की संख्या दो लाख से ज्यादा है तो पूरे हिमाचल में कितनी होगी, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह तकनीकी शिक्षा के अंतर्गत प्रत्येक जिले के एक या दो आईटीआई संस्थानों में राजमिस्त्री/टाईल मार्बल सिखलाई, जेसीबी, बुलडोजर ड्राइविंग सिखलाई के नए ट्रेड्स को शामिल कर हिमाचली युवाओं की स्वरोजगार की डगर को आसान बनाए। यह सही है कि मानव विकास किसी भी लोकतंत्रात्मक स्वरूप में सरकारों की सर्वोच्च प्राथमिकता में रहता आया है, लेकिन आज जरूरत इस बात की है कि राज्य या केंद्र सरकार के स्तर पर इनके लिए कोई राज्य स्तरीय अथवा राष्ट्रीय नीति बनाई जाए, ताकि स्थानीय आबादी और प्रवासी लोगों के बीच सामाजिक सौहार्द बरकरार रह सके, साथ ही स्थानीय युवाओं की रोजगार संबंधी चिंताओं का निराकरण भी हो सके।

कुछ अलग

घिसी-पिटी क्रांति का इंतजार

आज क्रांति कर देने और देश में बदलाव ले आने की बातें इतनी घिसी पिटी हो गई हैं कि अगवानी करने वाले नारे भोथरे होकर शर्मिंदा हो गए। 'इन्कलाब जिंदाबाद' एक बहुत पुराना, सान चढ़ा, खरा नारा है, अब आसमान की ओर हाथ हिला-हिला कर चिल्लाओ, तो स्वर जिंदाबाद नहीं 'जिंदाबाघ' निकलता है। वक्त बीत जाता है, नारे वहीं खड़े मिलते हैं कि जैसे सडक़ों के बाहर पड़े कूड़े के डम्प, आपके आवागमन को सरपट बना देने वाली अधूरी सडक़ें या अधर में ही छोड़ दिए गए अधबने पुल। लगता है कि, इन्कलाब का जिंदाबाद कह कर उसका दम भरने वाले लोगों को कोई जिंदाबाघ निगल गया है। सदियों से फैले हुए गरीबी, बेकारी और भुखमरी के अंधेरों में उसकी हिंस्र आंखें डरावनी चमक दिखाती हैं और ईमानदारी का जय-जयकार करते हुए हर कदम, हर पल भ्रष्टाचार की तश्तरी आपकी टूटी हुई मेज पर सजा देती है। बदलाव क्या होता है और कैसे आता है? हमने कई बार नैतिकता के अलम्बरदारों को अपना बड़ा बूढ़ा समझ पूछा है। लेकिन जिससे भी पूछा, उसने जब अपनी अलम्बरदारी का लबादा उतार कर अपना असली रूप दिखाया, तो लगा लक्कड़बग्घे अपनी छीलती हुई मुस्कराहट के साथ हमें वही रास्ता दिखा रहे हैं। वह दुलरा कर हमें सत्य, सन्मार्ग, चरित्र और महानता की कन्दीलों के सामने खड़ा कर देते हैं और स्वयं अपने द्वारा बनाई चोर गलियों का राह पकड़ सफलता के किसी पहाड़ को अपनी जेब में डाल लेते हैं। त्याग और बलिदान का उपदेश झाडऩे लगते हैं। इन उपदेशों को झेलते हुए इस देश की भारी भीड़ को पौन सदी हो गई। आज भी बदलाव के सपनों को साकार करने कि लिए वे लोग उन मतदान केन्द्रों के बाहर जुटते हैं जो दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र से सबसे पुराने लोकतंत्र तक फैला है। कोरोना के भय और प्रकोप में जुटते हैं, मौत के सायों को मुंह चिढ़ा कर जुटते हैं। मार्गदर्शकों ने उन्हें समझाया था कि लोकतंत्र में मतपत्र ही तुम्हारा सबसे बड़ा हथियार है। अब मतपेटियों की जगह ईवीएम मशीनें आ गई हैं, वोट पर्ची की जगह ईवीएम पर अंकित नाम या चुनाव चिन्ह पर तुम्हारी अंगुली आ गई। तुमने तो उम्मीदवार का नाम और चुनाव चिन्ह सही चुना, अंगुली भी सही टिकाई, फिर क्यों बाजी हारा। उम्मीदवार तुम्हारे वोट को फर्जी करार देता है। यही पराजित उद्गार हर स्थान से उभरता है, चाहे वह दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हो या सबसे पुराना लोकतंत्र। तुम चाहे उन्हें अपने भाषणों से जंगल के युवराजों की भेड़-बकरियां कहते रहे, लेकिन बदलाव की इच्छा रखने वालों ने तो सही जगह अंगुली रखी। परिणामों ने पांसा पलट दिया। बाजी उलट दी। वोटरों ने तो जंगल नकारे, अपनी मेहनत के निरंतर शोषण के, बढ़ती भूख की टीस के, महामारी का डर दिखा कर मौत बेचते हुए व्यापारियों के। उन्होंने गद्दियों पर कब्जावर नेताओं को 'आया राम से गया राम' बना दिया। लोकतंत्र में वोटर की समझ तो काम कर गई। कुर्सी को पैतृक विरासत समझ पोषण करने वाले लोग विदा के अंधेरों में गुम हो गए। अब क्या उम्मीद करें 'हमारी गद्दी लाओ, देश बचाओ' की भावुक अपील से पहले करोड़ लोगों के भूखे पेट अपनी रोजी और रोजगार पा सकेंगे। जंगल के युवराजों का डर दिखाने वाले मसीहा भ्रष्टाचार और नौकरशाही के जंगल तंत्र को विदा दे सकेंगे। लेकिन जो इन प्राचीरों से उतर कर आया वह 'राम' नहीं 'श्याम' था, आया राम नहीं, गया राम था। कुर्सी पर जमने के लिए अपेक्षित निर्णय में बहुमत के लिए उन्हें अपने धुरविरोधियों से भी गठजोड़ करना पड़ा तो क्या हानि? प्रश्न तो सत्ता बदलाव का है, उसे हो जाने दो। क्रांति के नारे को फिर हवाओं में से पकड़ लेंगे।

देश दुनीया से

महिलाओं को एकता के सूत्र में पिरोता है योग

भारतीय संस्कृति में नारी के आदर को महत्व दिया गया है। लगभग सभी धर्मों में नारी सशक्तिकरण का उदाहरण देखने को मिलता है। वैदिक साहित्य में नारी को अत्यंत गरिमामयी स्थान प्रदान किया गया है। धर्म ग्रन्थ वेद महिलाओं को परिवार की सम्राज्ञी कहते हैं। महिलाएं देश की शासिका बनने का अधिकार रखती हैं। वेदों में स्त्री यज्ञीय है अर्थात यज्ञ समान पूजनीय है। वेदों में नारी को ज्ञान देने वाली, सुख–समृद्धि लाने वाली, विशेष तेज वाली, देवी, विदुषी, सरस्वती, इन्द्राणी, उषा (जो सबको जगाती है) इत्यादि अनेक आदर सूचक नाम दिए गए। वेदों में स्त्रियों पर किसी प्रकार का प्रतिबन्ध नहीं है। उसे सदा विजयिनी कहा गया है। प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 की थीम/प्रसंग है – महिला सशक्तिकरण के लिए योग। इस वर्ष योग दिवस, महिलाओं के समग्र कल्याण व समग्र विकास की भावना के साथ मनाया जा रहा है।

नारी राष्ट्र का अभिमान है। नारी राष्ट्र के विकास की नींव है। नारी सृष्टि की सुंदरता का अनमोल उपहार है। संस्कृत में एक श्लोक है- यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः। अर्थात, नारी की पूजा जहां होती है, वहां देवता निवास करते हैं। भारतीय संस्कृति में नारी के आदर को महत्व दिया गया है। लगभग सभी धर्मों में नारी सशक्तिकरण का उदाहरण देखने को मिलता है। वैदिक साहित्य में नारी को अत्यंत गरिमामयी स्थान प्रदान किया गया है। धर्म ग्रन्थ वेद महिलाओं को परिवार की सम्राज्ञी कहते हैं। महिलाएं देश की शासिका बनने का अधिकार रखती हैं। वेदों में स्त्री यज्ञीय है अर्थात यज्ञ समान पूजनीय है। वेदों में नारी को ज्ञान देने वाली, सुख–समृद्धि लाने वाली, विशेष तेज वाली, देवी, विदुषी, सरस्वती, इन्द्राणी, उषा (जो सबको जगाती है) इत्यादि अनेक आदर सूचक नाम दिए गए। वेदों में स्त्रियों पर किसी प्रकार का प्रतिबन्ध नहीं है। उसे सदा विजयिनी कहा गया है। प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 की थीम/प्रसंग है – महिला सशक्तिकरण के लिए योग। इस वर्ष योग दिवस, महिलाओं के समग्र कल्याण व समग्र विकास की भावना के साथ मनाया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण के लिए योग एक अद्भुत माध्यम है। योगासन करने से शारीरिक शक्ति, लचीलापन और सहनशक्ति बढ़ती है, जिससे महिलाएं जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम होती हैं। योग तनाव, चिंता और अवसाद को कम करने में मदद करता है, जिससे महिलाओं का मन शांत और एकाग्र होता है। योगाभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ता है। योगाभ्यास से महिलाएं अपनी क्षमताओं पर विश्वास करने लगती हैं। योगाभ्यास से आत्म-सम्मान बढ़ता है और महिलाएं खुद को स्वीकार करने लगती हैं। योग सकारात्मक सोच को बढ़ावा देता है, जिससे महिलाएं जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना सकारात्मक रूप से कर पाती हैं। योगाभ्यास से आत्मरक्षा की क्षमता विकसित होती है, जिससे महिलाएं खुद को सुरक्षित रख पाती हैं। योग नेतृत्व कौशल विकसित करने में मदद करता है। महिलाओं में शक्ति का संचार करने के लिए निम्नलिखित योगासन इस प्रकार हैं- 1. सूर्य नमस्कार- यह आसन पूरे शरीर को सक्रिय करता है और ऊर्जा प्रदान करता है। 2. वृक्षासन- यह आसन एकाग्रता और संतुलन बढ़ाने में मदद करता है। 3. भुजंगासन- यह आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है और छाती को खोलता है। 4. वीरासन- यह आसन पैरों और घुटनों को मजबूत करता है। 5. अधोमुख श्वानासन- यह आसन पूरे शरीर को खींचता है और तनाव कम करता है। 6. शवासन- यह आसन शरीर और मन को शांत करता है। सरकार और कई गैर-सरकारी संगठन महिलाओं के लिए योग शिविर और कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इन शिविरों में महिलाओं को योगासन, प्राणायाम, ध्यान और योग दर्शन सिखाया जाता है। यह महिलाओं को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाता है। यदि आप एक सशक्त महिला

बनना चाहती हैं, तो योग को अपने जीवन का हिस्सा जरूर बनाएं। आज के समय में, योग महिला सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बनकर उभरा है। योग महिलाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। योग, रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है, जिससे महिलाएं बीमारियों से लड़ने में सक्षम होती हैं। योगासन से शारीरिक संतुलन बेहतर होता है। योग करने से शरीर का वजन नियंत्रित रहता है, जिससे मोटापे और मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। योग आत्म-नियंत्रण की क्षमता को विकसित करता है, जिससे महिलाएं अपने आवेगों पर नियंत्रण रख पाती हैं। योग आंतरिक शांति प्रदान करता है, जिससे महिलाएं जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव का सामना शांतचित्त होकर कर पाती हैं। योग महिलाओं को सामाजिक रूप से भी सशक्त बनाता है। योग महिलाओं को एक साथ लाता है। योग सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है। योग महिला सशक्तिकरण के लिए एक बहुआयामी उपकरण है। अतएव यह महिलाओं को शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाता है। भारतीय महिलाएं, खासकर शहरी क्षेत्रों में, स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर अधिक जागरूक हो रही हैं। योग विभिन्न प्रकार के आसनों और प्राणायाम के माध्यम से महिलाओं को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करता है। ध्यान और प्राणायाम के माध्यम से महिलाएं अपने मानसिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकती हैं। यह अवसाद, चिंता और अनिद्रा जैसी समस्याओं से निपटने में प्रभावी है। योगाभ्यास के दौरान आत्म-स्वीकृति और आत्म-सम्मान की भावना प्रबल होती है, जो महिलाओं को सामाजिक और व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना करने के लिए मजबूत बनाती है। भारतीय समाज में योग का एक गहरा सांस्कृतिक महत्व है। यह एक ऐसी परंपरा है जो पीढ़ियों से चली आ रही है और महिलाओं में इसे लेकर एक विशेष स्थान है। आजकल, योग शिक्षा और प्रशिक्षण केंद्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। कई महिलाएं योग शिक्षिका बनकर न केवल अपने जीवन को सुधार रही हैं, बल्कि समाज में भी योगदान दे रही हैं। योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं है। यह एक जीवनशैली है जो समग्र विकास को प्रोत्साहित करती है। भारतीय महिलाएं योग के माध्यम से एक संतुलित और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की दिशा में अग्रसर हो रही हैं। यह उन्हें स्वस्थ खान-पान, नियमित व्यायाम, और सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित करता है। योग का अभ्यास आत्म-साक्षात्कार और आंतरिक शांति की ओर ले जाता है, जिससे व्यक्ति जीवन में अधिक संतुलित और संतुष्ट महसूस करता है। योग, आयुर्वेद का हिस्सा है। आयुर्वेद विज्ञान एक प्राचीन चिकित्सा प्रणाली है जो प्राकृतिक उपचार पद्धतियों और जीवन शैली पर आधारित है। यह शरीर, मन, और आत्मा के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर देती है। आयुर्वेद में तीन मुख्य दोष (वात, पित्त, कफ) होते हैं, जो शरीर की जैविक ऊर्जाएं हैं। स्वस्थ जीवन के लिए इन दोषों का संतुलन अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयुर्वेदिक चिकित्सा में हर्बल औषधियाँ, पंचकर्म (शुद्धिकरण प्रक्रियाएँ), और आहार संबंधी सिफारिशें शामिल हैं।

आप का नजरीया

फैसलों के जज्बात

पिछले चुनावों के बाद और उपचुनावों से पहले हिमाचल मंत्रिमंडल ने कुछ महत्त्वपूर्ण फैसले लेकर सरकार की मंशा और नए अवतरण के साक्ष्य पेश कर दिए हैं। हिमाचल की संरचना में सुक्खू सरकार के प्रभाव और आशय की बुनियाद पर लिए गए निर्णयों में अधिसूचनाओं की रंगत, कई नए पोस्टर बना रही है। खासतौर पर देहरा के संदर्भ में आए फैसलों की चकाचौंध में जज्बात और उमंगों की बरसात की सूचना है। देहरा के कानों में सरकार कह रही है कि वहां लोक निर्माण विभाग का अधीक्षण अभियंता और पुलिस अधीक्षक कार्यालय खुलेगा। कांगड़ा के इस भूखंड पर उपचुनाव का महाभारत यह सुने बिना नहीं रहेगा कि सरकार की इबारत में दो बड़े दफ्तरों का आकार क्या होगा। हिमाचल मंत्रिमंडल पुलिस भर्ती आयु सीमा में एक साल की छूट देकर बाधित प्रक्रिया को वांछित संरक्षण दे रहा है। इसी छूट के तहत 1226 पदों पर भर्ती होनी है। सरकार मेडिकल शिक्षा को सुदृढ़ करते हुए मेडिकल कालेजों में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर तथा सहायक प्रोफेसर के 22 पद भरने जा रही है। इसी संदर्भ में टांडा मेडिकल कालेज में आपातकालीन चिकित्सा अधिकारियों के आठ पद स्वीकृत करने के अलावा ट्रॉमा सेंटरों को सुदृढ़ करने के लिए भी उपयुक्त नियुक्तियां की जा रही हैं। सरकार अपने लिए व्यस्तता के जो मार्ग चुन रही है, उनमें दो उप समितियों पर भरोसा करना होगा। एक उप समिति पर्यटन प्रोत्साहन के लिए दिशा निर्देश तय करेगी, जबकि दूसरी प्रदेश के संसाधनों में इजाफा करने के लिए अपनी सिफारिशें पेश करेगी। उद्योग मंत्री हर्षवर्धन और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में उप समितियां सरकार के मंत्रियों के दायित्व को खंगाल रही हैं। पहले भी पूर्व सरकारों ने इसी तरह की कई मंत्रिमंडलीय उपसमितियों का गठन किया, लेकिन सिफारिशें समय के साथ गुम हो जाती हैं। सबसे अधिक माथापच्ची स्थानांतरण नीति को लेकर होती आई है और कमोबेश हर सरकार ने इसे लेकर कोई न कोई समिति बनाई है। ऐसे में पुनः स्थानांतरण नीति की वकालत में वर्तमान सरकार का पैगाम अभी खामोश है। संसाधन सृजन उपसमिति की शब्दावली में कितना दम है, यह हिमाचल की उम्मीदों का सागर बनती है या उधार की पनाह में प्रदेश सिर्फ कागजी वादों की कुछ रेखाएं और खींच देगा। यह इसलिए कि धूमल सरकार ने पंडित सुखराम को लगभग ऐसी ही समिति के तहत एक खाका बनाने को कहा था। खाका बना भी, लेकिन अमल में फरियादी हिमाचल केवल बजट के घाटों से उबरने के लिए लगातार बढ़ते ऋण बोझ की किस्तें गिनता रहा। ऐसे में संसाधन सृजन के साथ-साथ सरकार की फिजूलखर्ची रोकने के इंतजाम अगर पुख्ता होते हैं, तो ही हम आर्थिक जंजाल से बाहर निकल पाएंगे। आरंभ में सुक्खू सरकार ने कुछ संस्थानों को डिनोटिफाई करके किफायत का चश्मा पहना था, लेकिन जनता की ख्वाहिशों में अब चार चांद लगाने की सियासी मजबूरी सामने आ रही है। यही जल्दबाजी अब देहरा की जमीं पर चांदी उगाने को आतुर है, तो इसे हक की लड़ाई कहें या सत्ता की ईमानदार पेशकश मानें, क्योंकि विपक्ष चुनाव की हसरतों में मीन मेख निकालता रहेगा।

नीट परीक्षा में अनियमितता से लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर : गोविंद सिंह डोटासरा

जयपुर (हिंस)। केंद्र सरकार की नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा नीट यूजी-2024 परीक्षा करवाने में कथित अनियमितता के विरोध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में शुक्रवार प्रात: जयपुर के कलेक्ट्री सर्किल पर कांग्रेसजनों ने धरना देकर विरोध-प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डोटासरा ने कहा कि राजस्थान में जब पांच साल कांग्रेस की सरकार थी तो भारतीय जनता पार्टी के तमाम नेता युवाओं के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते थे। उन्होंने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी के उन सभी नेताओं को वास्तविक चेहरा उजागर हो गया है क्योंकि इन भाजपा नेताओं को उस वक्त भी युवाओं के भविष्य की चिंता नहीं थी केवल माहौल खराब कर सरकार में आना चाहते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने भ्रमित कर सत्ता तो हथिया ली किंतु आज उनसे यह प्रश्न पूरा देश पूछ रहा है कि 24 लाख बच्चे जिनमें से 1 लाख 75 हजार राजस्थान के है, जिन्होंने अपने परिजनों के साथ डॉक्टर बनने का सपना देखा है और इस सपने को साकार करने के लिए दिन-रात पढ़ाई और मेहनत की है, माता-पिता ने कोचिंग के लिए बड़ी राशि खर्च की

तथा सर्वस्व लगाकर भविष्य की आशाओं के साथ जब बच्चों ने परीक्षा दी तो हुआ यह कि देश की नीट की परीक्षा का पेपर आउट हो गया। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन पेपर आउट होने के नए-नए खुलासे हो रहे है तथा अनेक राज्यों से मीडिया के माध्यम से वहां पेपर आउट होने की जानकारी सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में डबल इंजन की भाजपा सरकार के मंत्री ही कह रहे है कि बिहार में पेपर आउट हुआ है और पेपर आउट करने वाले सरगना की जानकारी मिल गई है, किंतु देश के प्रधानमंत्री जो बच्चों से परीक्षा पर चर्चा करते थे वे अब एक शब्द नहीं बोल रहे है। उन्होंने कहा कि देश के शिक्षा मंत्री भी इस विषय पर देश को सच्चाई नहीं बता रहे है बल्कि प्रतिदिन गुमराह करने वाली बातें कह रहे है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री कभी तो कहते है कि गड़बड़ी करने वालों की जांच की जाएगी, कभी कह रहे है कि गड़बड़ी हुई है लेकिन पेपर आउट नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यदि एक भी डॉक्टर फर्जी तरीके से बन गया तो इस तरीके से बना डॉक्टर पता नहीं कितने लोगों के जीवन को खराब कर देगा। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय की कड़ी टिप्पणी के बावजूद भाजपा की केंद्र सरकार के कान पर जू तक नहीं रेंग रही है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा अपनी मंशा जाहिर की गई है कि यदि पेपर लीक होने के कारण निरस्त किया गया तो इसकी काउंसिलिंग करवाने की क्या आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में भाजपा के दिग्गज नेता जोर-शोर से युवाओं एवं छात्रों की बात करते थे किंतु आज नीट परीक्षा का पेपर लीक होने से लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर है तो यह भाजपा के नेता कहीं नजर नहीं आ रहे है। उन्होंने कहा कि यूजीसी-नेट का पेपर लीक हुआ तो एक भी भाजपा का नेता नहीं बोला इसी प्रकार नीट का पेपर आउट हुआ तो भी प्रदेश के सभी भाजपा नेता चुप्पी साधकर बैठे है क्योंकि कांग्रेस शासन में इन्हें झूठे तथ्यों के आधार पर सत्ता में आने के लिए हल्ला मचाना था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में बैठे नेता नूराकुश्ती में व्यस्त है और जनता के कार्यों की ओर उनका ध्यान नहीं है। उन्होंने कहा कि आज देशभर के छात्र अपने भविष्य को लेकर आशंकित है और केंद्र सरकार की नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा करवायी गयी नीट-2024 परीक्षा में पेपर लीक पर केंद्र सरकार से जवाब चाहते है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी देशभर के छात्रों को न्याय दिलवाने के लिए संघर्ष करने में किसी प्रकार की कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस अवसर पर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, विधायक रफीक खान, हाकम अली, मनोज मेघवाल, अमीन कागजी, अमित चाचाण, वीरेन्द्र सिंह, घनश्याम मेहर, भीमराज भाटी, भगवाना राम सैनी, शिमला नायक, डूंगरराम गेदर, प्रशान्त सहदेव शर्मा, पीतराम काला, डॉ. विकास चौधरी, अनिता जाटव, पूर्व मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह, प्रताप सिंह खाचरियावास, जिला कांग्रेस अध्यक्ष आरआर तिवाड़ी सहित अनेक कांग्रेजसन शामिल हुए।

बिहार : नीट पेपर लीक कांड में गिरफ्तार आरोपियों की सुनवाई टली, नहीं मिली जमानत

पटना (हिंस)। नीट पेपर लीक मामले में चार आरोपियों की शुक्रवार को पटना सिविल कोर्ट में एडीजे-5 ने सुनवाई करते हुए इस मामले में किसी को जमानत नहीं दी। एडीजी राजेन्द्र कुमार सिन्हा की अदालत ने पुलिस को अगली सुनवाई में एनएचएआई गेस्ट हाउस की डायरी लाने की बात कहकर सुनवाई को टाल दिया। पटना सिविल कोर्ट के अधिवक्ता ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि नीट पेपर लीक मामले में अनुराग यादव, आयुष कुमार, नितीश पटेल और सिकंदर यादवेंदु की जमानत याचिका पर सुनवाई होनी थी। एडीजी-5 ने सुनवाई करते हुए इस मामले में किसी को जमानत नहीं दी है। यह चारों आरोपित न्यायिक हिरासत में हैं। इस मामले में 25 जून को अगली तिथि निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस को एनएचएआई गेस्ट हाउस की डायरी लाने को भी कहा गया है। अगली सुनवाई में डायरी पेश की जाएगी नीट पेपर लीक मामले में शास्त्री नगर थाने की पुलिस के द्वारा 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें सॉल्वर गैंग के सदस्य के साथ अभ्यर्थी भी शामिल थे। चार आरोपियों की आज जमानत याचिका पर पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद आरोपियों की जमानत पर कोर्ट ने कोई फैसला नहीं सुनाया है। साथ ही कोर्ट के द्वारा एनएचएआई गेस्ट हाउस की डायरी मांगी गई है। नीट पेपर लीक मामले का मास्टरमाइंड सिकंदर यादवेंदु दानापुर में नगर आवास विभाग में जूनियर इंजीनियर के पद पर पदस्थापित था। वह समस्तीपुर का रहने वाला है। इसकी मुलाकात अमित आनंद से हुई थी। इन्हीं दोनों ने मिलकर इतने बड़े एग्जाम का पेपर लीक करा दिया। मामले में गिरफ्तार सभी आरोपित पटना के बेऊर जेल में बंद हैं। पुलिस के कबूलनामे में इसने स्वीकार किया है कि इसके पास चार मई को ही पेपर लीक होकर आ गया था और उसी रात में अभ्यर्थियों को पेपर रटवा दिया था। गिरफ्तार अभ्यर्थी अनुराग ने भी यह स्वीकार किया है कि चार मई को जो पेपर उसे रटाया गया था, वही प्रश्न एग्जाम में पूछा गया था।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर बीएसएफ जवानों ने जगाई योग की अलख

चंडीगढ़ (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पंजाब में जहां विभिन्न स्थानों पर योगा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया वहीं सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने भारत-पाक सीमा पर योग करके पड़ोसी देश को भी योगमय होने का संदेश दिया। पाकिस्तान की सीमा से सटे पंजाब के क्षेत्रों में बीएसएफ द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में बीएसएफ के जवानों के अलावा आसपास के लोगों ने भी भाग लिया। अमृतसर के निकट अटारी-बाघा सीमा पर रिट्रीट सैरेमनी वाले स्थान पर योग दिवस समारोह का आयोजन किया गया। बीएसएफ ने योग दिवस समारोह के ड्रोन फोटो जारी किए। जिसमें भारतीय सीमा में जवान योग कर रहे हैं तो सामने पाकिस्तानी क्षेत्र में पाक रेंजरों का आवागमन दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया पर बीएसएफ द्वारा जारी अटारी सीमा की फोटो आज खूब वायरल हो रही हैं। योग दिवस के अवसर पर गुरदासपुर में बीएसएफ द्वारा छोटा घल्लूघारा मैमोरियल काहनूवान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी प्रकार बीएसएफ कैंपस जालंधर में भी जवानों तथा अधिकारियों ने मिलकर योग किया। इसके अलावा अमृतसर के ऐतिहासिक कंपनी बाग में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अलावा पंजाब के होशियारपुर में पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह ने योग दिवस समारोह में भाग लिया।

ईडी ने जमीन कारोबारी के ठिकाने से एक करोड़ नकदी और 100 गोली किया बरामद

रांची (हिंस)। जमीन कारोबारी कमलेश के ठिकाने से ईडी ने एक करोड़ रुपए नकदी और सौ राउंड गोली बरामद किया है। इसके अलावा ईडी ने कमलेश के ठिकाने से कई अधिकारियों के जमीन से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किया है। उल्लेखनीय है कि जमीन घोटाला मामले में ईडी की टीम ने कांके रोड के चांदनी चौक स्थित एस्टर ग्रीन में रहने वाले जमीन कारोबारी कमलेश कुमार के ठिकाने पर छापेमारी की है। जमीन घोटाले में गिरफ्तार हुए शेखर कुशवाहा से जुड़े मामले को लेकर ईडी के द्वारा यह छापेमारी की गयी है। बीते 12 जून को ईडी ने बड़गाईं जमीन घोटाला में गाड़ीगांव निवासी शेखर कुशवाहा को गिरफ्तार किया था। फिलहाल, ईडी शेखर कुशवाहा को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है।

महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का विरोध

जोधपुर (हिंस)। राज्य सरकार द्वारा तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का विरोध बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को सुबह जोधपुर में कोचिंग कर रहे छात्रों ने इस आरक्षण के खिलाफ रैली निकाली और प्रदर्शन किया। उन्होंने हाथों में 50 प्रतिशत महिला आरक्षण हटाओ लिखी तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बाद में आरक्षण रद्द करने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। दरअसल बीते दिनों मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रेड थर्ड शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए आरक्षण 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया। सीएम ने राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। इस फैसले से महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिलने की संभावना है। साथ ही सरकार का दावा है कि वे आत्मनिर्भर होकर सशक्त बन सकेंगी। शुक्रवार को इसके विरोध में जिला मुख्यालय में शिक्षक भर्ती की तैयारी कर रहे छात्र पांच बत्ती सर्किल पर एकत्रित हुए। यहां से रैली निकालकर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे। कलेक्ट्रेट के सामने सरकार के खिलाफ जमकर

नारेबाजी की। उनका कहना था कि इस आरक्षण में पुरुष युवाओं का हक मारा जा रहा है। सरकार से जातिगत जनगणना की मांग चल रही है। जब तक जातिगत जनगणना नहीं होती है, तब तक आरक्षण में किसी प्रकार का संशोधन करके नया आरक्षण नहीं दिया जाए। यह आरक्षण भी विशेष कर रीट (राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा) के अंदर लागू किया। अगर लागू करना ही है और महिलाओं को सशक्त बनाना है तो राजस्थान सरकार के मंत्रिमंडल से शुरुआत करो।

हरियाणा कांग्रेस में अब मचेगी भगदड़ : अभय सिंह चौटाला

पलवल (हिंस)। इनेलो प्रधान महासचिव एवं विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हराने के लिए लोगों ने इंडिया गठबंधन को वोट कर जीताने का मन बना लिया था। विधानसभा चुनाव में लोग इनेलो को वोट करेंगे। यह बात उन्होंने शुक्रवार को कार्यकर्ताओं के बीच कही। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा लगातार भाजपा की मदद करने में लगे हुए थे, अगर हुड्डा इंडिया गठबंधन में इनेलो को लेकर हठधर्मी न करते तो भाजपा प्रदेश में एक भी सीट नहीं जीत पाती। हुड्डा पूर्व सीएम मनोहर लाल को जिताना चाहता थे, इसलिए उनके खिलाफ कमजोर उम्मीदवार को मैदान में उतार दिया।उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की एक सोच रही है कि अगर लोकसभा में ज्यादा से ज्यादा क्षेत्रीय दल के उम्मीदवार जीत कर नहीं जाएंगे तो ये राष्ट्रीय पार्टियां अपनी मर्जी से फैसले लेकर आम लोगों के खिलाफ कानून बनाएंगे।

चंडीगढ़ : मुख्यमंत्री ने दो योजनाओं के तहत लाभार्थियों को जारी की सहायता राशि

ई-फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से 54,000 से ज्यादा किसानों के खातों में भेजी 135 करोड़ रुपए की मुआवजा राशि

चंडीगढ़ (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार लगातार गरीब, किसान, मजदूर, महिलाओं और युवाओं को सशक्त व मजबूत करने का काम कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे आज हर वर्ग का हमारी सरकार पर विश्वास बढ़ा है। गरीब, किसान, समाज के वंचित वर्ग के हित में अगर कोई सोचता है तो वो नरेंद्र मोदी हैं। वे शुक्रवार को भिवानी में आयोजित समारोह में ई-फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से रबी-2024 में क्षतिग्रस्त फसलों की 135 करोड़ रुपए की मुआवजा राशि आवंटित करने के बाद बोल रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने किसान कल्याण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए ई-फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से रबी-2024 में क्षतिग्रस्त फसलों की 135

करोड़ रुपए की मुआवजा राशि सीधे प्रदेशभर के 54,000 से ज़्यादा किसानों के खातों में भेजी। साथ ही, उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना के तहत भी 3529 पात्र लाभपात्रों के खातों में 131.24 करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि जारी की। नायब सिंह ने कहा कि हमारी सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीबों को मजबूत करने का काम लगातार कर रही है। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना चलाकर किसानों को सुरक्षित और मजबूत करने का काम किया जा रहा है। नायब सिंह ने कहा कि जब डीएपी के रेट बढ़ें, उस समय की सरकार ने कोई संवेदनशीलता नहीं दिखाई। वर्ष 2008 और 2009 में डीएपी और यूरिया के रेट कम होते थे, परंतु कांग्रेस की सरकार ने उनके भाव बड़ा कर उनकी कीमतों को दोगुना कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकार किसानों के साथ मजाक करती थी। भूपेंद्र सिंह हुड्डा, जब मुख्यमंत्री रहे, तो उस समय किसानों को मुआवजे के नाम पर 2-2 रुपए और 5-5 रुपए के चैक भेजकर किसानों के साथ भद्दा मजाक करते थे। जबकि आज हमारी डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में प्राकृतिक आपदा के कारण खराब हुई फसल के लिए किसानों को 30, 40 और 50 हजार रुपए तक के चैक जाते हैं। इस अवसर पर तोशाम से विधायक किरण चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने गरीबों व जरूरतमंदों के लिए दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) चलाई है, जिसके तहत मुख्यमंत्री नायब सिंह ने प्रदेश के ऐसे पात्र परिवारों को लाभ पहुंचाने का काम किया है। ये बहुत ही लाभदायक योजना है।

राजस्थान में टॉप 25 वांटेड अपराधियों में शामिल 50 हजार के इनामी तस्कर को उदयपुर में पकड़ा

जयपुर (हिंस)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने कोटा शहर में मकबरा थाने के एनडीपीएस एक्ट के मामले में 4 साल से व गुमानपुरा थाने में 3 साल से वांछित 50 हजार रुपए के इनामी तस्कर मुनव्वर हुसैन पुत्र लियाकत हुसैन निवासी वक्फ नगर थाना दादाबाड़ी कोटा को उदयपुर जिले में सूरजपोल थाना इलाके से पकड़ा है। पकड़ा गया तस्कर राज्य स्तर पर टॉप 25 एवं रेंज स्तर पर टॉप 10 वांटेड की श्रेणी में शामिल है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि पकड़े गए तस्कर मुनव्वर हुसैन के विरुद्ध कोटा शहर के मकबरा व गुमानपुरा थाने में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के मामले में एनडीपीएस एक्ट का मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसमें घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। इन दोनों प्रकरणों से पहले भी आरोपी एनडीपीएस एक्ट के मामले में 10 वर्ष की जेल काट चुका है। लंबे समय से वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गत वर्ष 3 अगस्त को कोटा रेंज आईजी द्वारा 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया। प्रदेश में सक्रिय गैंगस्टर, हार्डकोर बदमाश, हिस्ट्रीशीटर, तस्करों आदि के बारे में आसूचना संकलन के लिए एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की टीमों को अलग-अलग शहरों में भेजा गया है। इसी दौरान डीआईजी क्राइम योगेश यादव व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश मलिक के नेतृत्व में गठित टीम के सदस्य कांस्टेबल मोहनलाल को फरार तस्कर के बारे में पुख्ता आसूचना प्राप्त हुई। इस पर एडिशनल एसपी राजेश मलिक के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल महेंद्र कुमार, कृष्ण गोपाल, करणी सिंह एवं कांस्टेबल सोहन देव व मोहनलाल की एक टीम गठित कर सूचना की तस्दीक एवं कार्रवाई के लिए उदयपुर रवाना की गई। गठित टीम द्वारा विषम परिस्थितियों में वेश बदलकर अपनी पहचान छुपाते हुए शुक्रवार को सूरजपोल थाना क्षेत्र से आरोपी तस्कर मुनव्वर हुसैन को डिटेन कर लिया।

परीक्षा परिणाम को लेकर नौ स्कूलों को कारण बताओं नोटिस जारी

कठुआ (हिंस)। जम्मू-कश्मीर शिक्षा बोर्ड की ओर से हाल में घोषित हुए 12वीं और 10वीं कक्षा के वार्षिक परिणामों में कठुआ जिले के नौ सरकारी स्कूल फिसड्डी साबित हुए हैं। सरकारी तामझाम और बड़े-बड़े दावों के बीच इन स्कूलों के 50 फीसदी से भी कम परिणाम को देखते हुए इन स्कूलों के हेडमास्टरों और प्रधानाचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है। दो दिन के भीतर जवाब देना है, अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी जारी कर दी गई है। बता दें कि बारहवीं के फिसड्डी पांच स्कूलों से परीक्षा में बैठे 358 में से 276 बच्चे फेल हुए तो वहीं दसवीं के परिणामों में 15 स्कूलों से परीक्षा में बैठे 558 में से 395 बच्चे फेल हो गए। शिक्षा विभाग की ओर से संस्थान प्रमुखों से अपने अपने संस्थान के 12वीं और 10वीं के परिणाम की मांगी गई रिपोर्ट में बेहद चिंताजनक आंकड़े सामने आए। सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल रौल्का का वार्षिक परिणाम दसवीं में जहां शून्य प्रतिशत रहा है तो वहीं 12वीं में भी 11 प्रतिशत ही रहा है। इस स्कूल में दसवीं में सभी 33 बच्चे फेल हो गए तो बारहवीं में 44 में से पांच ही बच्चे पास हुए। उधर, हायर सेकेंडरी स्कूल बनी का परिणाम भी बेहद चिंताजनक है। यहां बारहवीं में 258 में से मात्र 55 विद्यार्थी ही पास हुए हैं। ऐसे में स्कूल का परिणाम 21 फीसदी रहा, जबकि दसवीं में 73 में से 32 विद्यार्थी ही पास हो पाए। 12वीं कक्षा के परिणामों में हायर सेकेंडरी स्कूल टप्पर का परिणाम 40, हायर सेकेंडरी स्कूल सुमवां का परिणाम 41.17 प्रतिशत और हायर सेकेंडरी स्कूल माड़ा पट्टी का परिणाम भी 42 प्रतिशत ही रहा है। इसी तरह से दसवीं के परिणामों में हाई स्कूल बरमोता का परिणाम 6.67, हाईस्कूल बांजल का परिणाम 7.69, हाईस्कूल घुट्टू 9.68, हाईस्कूल चंडियार का 20 प्रतिशत, हाईस्कूल सियारा का 21.28, हाईस्कूल सांदर का 25.71, हाईस्कूल मकवाल 28.57, हाईस्कूल भडार का परिणाम 29.41, हाईस्कूल बनी का 37.50, हाईस्कूल कोटरी संदरूण का परिणाम 38.89, हायर सेकेंडरी स्कूल चक कान्हा 40.35, हाईस्कूल अमुआला का परिणाम 42.86, हाईस्कूल भीकड़ 43.48 प्रतिशत और हायर सेकेंडरी स्कूल बनी का परिणाम 43.84 प्रतिशत रहा है। मुख्य शिक्षा अधिकारी कठुआ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्कूल के प्रधानाचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही मामला निदेशक और संयुक्त निदेशक के संज्ञान में भी ला दिया गया है।

आरएसएस 23 जून को मनाएगा हिंदू साम्राज्य दिवस व छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक उत्सव

गाजियाबाद (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 23 जून को हिंदू साम्राज्य दिवस एवं छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक उत्सव मनाएगा। यह भव्य आयोजन शाम 5:30 बजे बलिदान पथ नवयुग मार्केट) में होगा। इस तरह का आयोजन पूरे भारत में रायगढ़ के किले और गाजियाबाद जिले मे ही होता है। यह जानकारी शुक्रवार को आयोजित एक प्रेसवार्ता में संघचालक कैलाश अग्रवाल व महानगर संघ चालक धुरेन्द्र गोयल ने दी। कैलाश अग्रवाल ने पत्रकारों को इस आयोजन के इतिहास और उपयोगिता की जानकारी देते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी एक ऐसे साहसी और संकल्पित योद्धा थे, जिन्होंने 17वीं शताब्दी में *हिंदवी स्वराज्य* के संस्थापक के रूप में ऐतिहासिक कार्य किया। 6 जून, 1674 को अपूर्व भव्यता के साथ, वह छत्रपति, *सर्वोच्च संप्रभु* के रूप में सिंहासन पर बैठे। छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जिससे इस संप्रभु और शक्तिशाली हिंदू साम्राज्य की नींव पड़ी। शहर में भी इस उत्सव का आयोजन किया जाता है। महानगर के संघचालक धुरेंदर

गोयल ने कार्यक्रम की रूपरेखा देते हुए बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गाजियाबाद महानगर के तत्वावधान में आगे की जानकारी देते हुए बताया कि 2019 से निरंतर होने वाले इस उत्सव का समाज के सभी वर्ग उत्सुकता से प्रतीक्षा करते हैं। इस कार्यक्रम में 5000 से अधिक लोग भाग लेते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ शहर के प्राचीन सिद्धपीठ मंदिर श्री दूधेश्वर नाथ पीठ से होती है। जिसमें 1100 माताएं और बहनें पारंपरिक वेशभूषा में कलश के साथ यात्रा आरंभ करती है जो शहर के विभिन्न रास्तों और बाजार से होते हुए बलिदान पथ पर समाप्त होती है। इस यात्रा में छत्रपति शिवाजी महाराज की अति सुंदर झांकी के साथ 101 खड्गधारी बहनों का संचलन होगा। पूरे कार्यक्रम की देखरेख राष्ट्रीय सेविका समिति के बहनों द्वारा की जाएगी। यात्रा में सबसे आगे 21 बुलेट वाली बहनों का प्रदर्शन रहेगा। यात्रा में कुछ स्थानों पर झांकी की आरती व मंगल गीत की प्रस्तुति रहेगी। पिछले 6 वर्षों से निरंतर होने वाली इस यात्रा का नगर के लोगों द्वारा भव्य स्वागत सत्कार किया जाता है। बहनों के साथ बालिकाओं की उपस्थिति देखते ही बनती है। कार्यक्रम के अंतर्गत, बलिदान पथ पर नन्हे बालकों द्वारा माता जीजाबाई और शिवाजी महाराज के प्रतिरूप का राज्याभिषेक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ नाटकबाज थिएटर के युवा कलाकारों द्वारा एक नाट्य प्रस्तुति से समाज के विभिन्न वर्गों से आए लोगों को उस समय के भव्य आयोजन से अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर बैठने और जलपान, पार्किंग इत्यादि की उचित व्यवस्था का प्रबंध किया गया है। विभाग के सह संपर्क प्रमुख मनमीत ने बताया कि महिलाओं के सशक्तीकरण एवं समानता को प्रदर्शित करती ये यात्रा आम जन मानस में एक अमिट छाप छोड़ेगी। इस अवसर पर महानगर कार्यवाह अभिषेक सचदेवा और अन्य अधिकारी विपिन त्यागी, नीरज जांगिड़ आदि भी उपस्थित रहे।

स्टेनली लाइफस्टाइल्स का आईपीओ ओपन हुआ: 25 जून तक बोली लगा सकेंगे रिटेल निवेशक, मिनिमम इन्वेस्टमेंट 14,760

मुंबई।
स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हो गया है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 25 जून तक बोली लगा सकते हैं। 28 जून को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए टोटल 537.02 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 200 करोड़ के 5,420,054 नए शेयर इश्यू कर रही है। वहीं, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस के जरिए 337.02 करोड़ के 9,133,454 शेयर बेच रहे हैं।

मैक्सिमम 520 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक - स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 351-369 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 40 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 369 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,760 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 520 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 191,880 इन्वेस्ट करने होंगे।

ग्रे मार्केट में स्टेनली लाइफस्टाइल्स का प्रीमियम 40.65 प्रतिशत - आईपीओ ओपन होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 40.65 प्रतिशत यानी 150 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 369 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 519 पर हो सकती है। हालांकि, इससे केवल अनुमान लगाया जा सकता है, शेयर की लिस्टिंग की प्राइस ग्रे मार्केट की प्राइस से काफी अलग होती है।

इश्यू का 35 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व - कंपनी के इश्यू का 50 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा करीब 35 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी का 15 प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। लक्जरी फर्नीचर को डिजाइन और मैन्युफैक्चरर करती है कंपनी स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड सुपर-प्रीमियम, लक्जरी और अल्ट्रा-लक्जरी फर्नीचर को डिजाइन और मैन्युफैक्चरर करती है। कंपनी की स्थापना 2007 में हुई थी।

न्यूज ब्रीफ

आम जनता पर जारी है महंगाई की मार हरी सब्जियों के बाद दाल की कीमतों में लगी आग

नई दिल्ली। जून का महीना सुनते ही सबसे पहले मन में बारिश का ख्याल आता है। बारिश, मानसून ये अभी कई राज्यों से कोसो दूर है। हां, लेकिन बात अगर महंगाई की हो तो आम जनता पर इसका प्रकोप जारी है। जून के महीने में प्याज, हरी सब्जियों, आलू, टमाटर के दाम में बढ़ोतरी हुई। इसके बाद दाल की कीमतों में आई तेजी ने आम जनता पर डबल अटैक किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में दाल की कीमतों में 1 1 फीसदी का इजाफा हुआ है। वहीं, तूर और उड़द के दाम 3 प्रतिशत बढ़ गए हैं। प्याज की कीमतों में भी 67 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जून में सबसे महंगा टमाटर हुआ है। लगातार टमाटर की कीमतों में तेजी आ रही है। आइए, हम आपको बताएंगे कि राजधानी दिल्ली में सब्जियों और दालों की कीमतों में कितना इजाफा हुआ है। कितनी महंगी हो गई दाल दाल की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिली है। मिनिस्ट्री और कंज्यूमर अफेयर ने दाल की कीमतों को लेकर आंकड़ें जारी किये हैं। इन आंकड़ों के अनुसार 31 मई को चने दाल की कीमत 86.12 रुपये प्रतिकिलोग्राम थी। अब 19 जून तक इनकी कीमतों में 2.13 फीसदी का इजाफा के साथ इनके दाम 87.96 रुपये हो गया। अगर बात तूर यानी अरहर दाल की करें तो 31 मई को इसका भाव 157.2 रुपये प्रति किलो था , जो 19 जून तक 4.07 रुपये बढ़कर 161.27 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। जून में मूंग की दाल की कीमतों में मामूली तेजी देखने को मिली है। 31 मई को इनके दाम 118.32 रुपये थे जो 19 जून तक 119.04 रुपये हो गए। उड़द दाल की कीमतों में भी ज्यादा तेजी नहीं आई है। 31 मई को उड़द दाल 125.79 रुपये प्रति किलो थी जो 19 जून तक 126.69 रुपये प्रति किलो हो गई थी। मसूर की दाल में भी मामूली तेजी आई है। 19 जून को इसकी कीमत 94.12 रुपये प्रति किलोग्राम थी जो 31 मई को 93.9 रुपये प्रति किलो थी। आसमान छू रहा है आलू इस महीने आलू की कीमतों में लगभग 8 फीसदी से ज्यादा का इजाफा हुआ है। 31 मई को आलू 29.82 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रहा था जो जून में चढ़कर 32.23 रुपये प्रति किलो हो गया। वर्तमान में राजधानी दिल्ली में आलू की कीमत 30 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। बढ़ गए प्याज के भाव राजधानी दिल्ली में प्याज की कीमतों में 67 फीसदी का इजाफा हुआ है। वहीं, अगर देश के अन्य राज्यों की बात करें तो इसमें करीब 18 फीसदी की तेजी आई। मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 31 मई को तक प्याज के दाम 30 रुपये प्रति किलोग्राम थे, जो 19 जून तक 50 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए।

हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न से रिकॉर्ड 25 भारतीय स्टार्टअप बाहर; 38 नई कंपनियों को मिली जगह

नई दिल्ली। हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न सूची-2024 में रिकॉर्ड 25 भारतीय स्टार्टअप बाहर हो गए हैं। तब जब देश के फ्यूचर यूनिकॉर्न का कुल मूल्यांकन बढ़कर 58 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। ये सालाना आधार पर 1.8 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि 38 नए स्टार्टअप (फ्यूचर यूनिकॉर्न) इस सूची में पहली बार शामिल हुए हैं। एएसके प्राइवेट वेल्थ हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न सूची-2024 बृहस्पतिवार को जारी की गई। इसके मुताबिक फंडिंग विंटर, वित्तीय नियामकों की ओर से की गई कार्रवाई और उद्यमों की लाभप्रदता के प्रति पूर्वाग्रह की वजह से ये स्टार्टअप बाहर हुए हैं। 25 स्टार्टअप में पांच गजेल (50 करोड़ डॉलर से अधिक मूल्यांकन) और 20 चीता (20 करोड़ डॉलर से अधिक मूल्यांकन) भी शामिल हैं, जिनमें तीन से पांच साल में यूनिकॉर्न बनने की संभावना थी।

नौकरियों में उछाल, अप्रैल में ईपीएफओ के रिकॉर्ड 18.92 लाख नए सदस्य

नई दिल्ली। देश में नौकरियों में उछाल का संकेत मिल रहा है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने इस साल अप्रैल में 18.92 लाख नए सदस्य जोड़े। ईपीएफओ के अस्थायी पेरोल डेटा से पता चलता है कि इस साल मार्च के आंकड़े की तुलना में अप्रैल में 31.29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले साल के अप्रैल के मुकाबले इस साल अप्रैल में ईपीएफओ के सदस्यों की संख्या में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मंत्रालय ने कहा, सदस्यता में यह उछाल रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के आउटरीच कार्यक्रमों की प्रभावशीलता के कारण है। डेटा से पता चलता है कि अप्रैल के दौरान लगभग 8.87 लाख नए सदस्यों ने संगठन में नामांकन कराया है। डेटा का एक उल्लेखनीय पहलू है कि इसमें 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व है। ये कुल सदस्यों का 55.5 प्रतिशत है। यह संगठित कार्यबल में शामिल होने के लिए युवाओं के रुझान को दर्शाता है।

आप सुरक्षा पर ध्यान दिए बिना केवल पैसा निचोड़ने में रुचि रखते हैं, बोइंग सीईओ से सीनेट में तीखे सवाल

नई दिल्ली।
बोइंग के सीईओ डेविड कैलहौन अमेरिकी कांग्रेस के समक्ष पहली बार पेश हुए। इस दौरान उनसे कंपनी की सुरक्षा संस्कृति और पारदर्शिता के मामले में कड़ी पूछताछ की गई। इस पेशी के दौरान बोइंग सीईओ की वेतन वृद्धि पर भी सवाल उठाया गया। इस साल जनवरी में अलास्का एयरलाइंस की उड़ान के दौरान 737 मैक्स विमान का दरवाजा उखड़ गया था। बोइंग में सुरक्षा के प्रति लापरवाही मामले में सीनेट में सीईओ की पेशी हुई। पूछताछ के दौरान कैलहौन को जिन कठिन सवालों का सामना करना पड़ा, उनमें से एक मिसौरी सीनेटर जोश हॉले का था। उन्होंने बार-बार सीईओ से उन्हें मिलने वाले सालाना वेतन के बारे में पूछा। कैलहौन के वेतन में 2022 की तुलना में 2023 में 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि ऐसे समय में की गई जब विमानन कंपनी एक के बाद एक कई नकारात्मक घटनाओं के कारण लगातार विवादों में रही। 2023 में कैलहौन का कुल मुआवजा बढ़कर 32.8 मिलियन डॉलर हो गया, जो पिछले वर्ष प्राप्त हुए 22.6 मिलियन डॉलर से 45 प्रतिशत अधिक है। बोइंग के सीईओ की आलोचना करते हुए, हॉले ने कहा कि कैलहौन पारदर्शिता, यात्रियों की सुरक्षा और गुणवत्ता जांच पर कोई ध्यान दिए बिना केवल कंपनी से पैसा निचोड़ने में रुचि रखते हैं। हॉले कहा, आप सुरक्षा प्रक्रियाओं को समाप्त कर रहे हैं, आप इसे अपने कर्मचारियों को घटा रहे हैं, आप नौकरियों में कटौती कर रहे हैं, आप इस कंपनी से लाभ के हर टुकड़े को निचोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। आप अपने मुनाफे के लिए बोइंग को अक्षम बना रहे हैं। कंपनी के लाभ के लिए, शेयरधारक मूल्य बढ़ाने के लिए को पुरस्कृत किया जाता है। हॉली ने डेविड कैलहौन पर

गुस्सा में कहा आपको एक बड़ी वेतन वृद्धि मिलती है पर आप पारदर्शिता और सुरक्षा की अनदेखी करते हैं। अमेरिकी सांसद ने बोइंग की घटनाओं के संबंध में वर्तमान में चल रही कई जांचों पर सवाल किया। उन्होंने पूछा किया विमानन दिग्गज की ओर से अपने 787 विमानों पर आवश्यक निरीक्षण पूरा किया गया क्या कर्मचारियों ने रिकॉर्ड में हेराफेरी की गई हॉले ने कहा, एक तरफ सीईओ मजे कर रहे हैं दूसरी ओर बोइंग कर्मचारी दर्द में हैं। सवाल उठाने वाले व्हिसलब्लोअर असल में अपने जीवन की सुरक्षा के लिए डर रहे हैं। हॉले ने सुनवाई के दौरान बोइंग के सीईओ से पूछा, क्या आपको नहीं लगता कि आपकी प्राथमिकताएं यहां गलत हैं डेविड कैलहौन से हॉले ने यह भी पूछा कि उन्होंने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया। बोइंग सीईओ ने जवाब दिया, मुझे अपनी नौकरी पर गर्व है। मुझे अपने सुरक्षा रिकॉर्ड पर गर्व है। मुझे अपने बोइंग के लोगों पर बहुत गर्व है। हॉले ने कहा। मुझे लगता है कि यह एक मजाक है कि आप अब भी अपनी नौकरी में हैं। डेविड कैलहौन को जनवरी 2020 में बोइंग का सीईओ नामित किया गया था, और कंपनी ने मार्च में घोषणा की थी कि वह 2024 के अंत तक भूमिका से हट जाएंगे। उपसमिति की अध्यक्षता करने वाले सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने इसे विमानन दिग्गज के लिए आम विश्लेषण का क्षण कहा और बताया कि इस बात के भारी सबूत हैं कि अमेरिकी न्याय विभाग को बोइंग के खिलाफ अभियोजन चलान चाहिए। अभियोजकों के पास अपनी योजनाओं के टेक्सास में एक संघीय न्यायाधीश को सूचित करने के लिए 7 जुलाई तक का समय है। रिपोर्ट के अनुसार, मई में, न्याय विभाग ने पाया कि बोइंग घातक दुर्घटनाओं के बाद एक आस्थगित अभियोजन समझौते के अनुपालन के हिस्से के रूप में अनुपालन और नैतिकता कार्यक्रम को डिजाइन और लागू करने में विफल रहा था। बोइंग की प्रतिष्ठा हाल के वर्षों में दो प्रमुख 737 मैक्स विमानों में खराबी के कारण धूमिल हुई है। इस दौरान एक ही तरह के दो अलग-अलग बोइंग विमान हादसों में 346 लोगों की मौत हो गई। अक्टूबर 2018 में इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता से उड़ान भरने के 13 मिनट बाद ही लॉयन एयर की उड़ान के जावा समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त होने से विमान में सवार सभी 189 लोगों की मौत हो गई थी। कुछ ही महीने बाद, मार्च 2019 में इथियोपियाई एयरलाइंस की एक उड़ान इथियोपियाई राजधानी अदीस अबाबा से टेकऑफ के छह मिनट बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें सवार सभी 157 लोग मारे गए। दोनों घटनाएं दोषपूर्ण उड़ान नियंत्रण प्रणाली के कारण हुई थीं। अलास्का एयरलाइंस की सबसे ताजा घटना में 174 यात्रियों और चालक दल के छह सदस्यों को ले जा रहे विमान को अमेरिका के पोर्टलैंड में आपात स्थिति में उतरना पड़ा क्योंकि विमान का दरवाजा उड़ान के दौरान ही उखड़ गया। इस घटना पर सोशल मीडिया पर विमान के दृश्यों की बाढ़ आ गई, जिनमें विमान के पीछे के केबिन निकास द्वार की दीवार गायब दिख रही थी। बाद में, एक रिपोर्ट में बताया कि बोइंग 737 के उत्पादन में फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) द्वारा किए गए एक व्यापक ऑडिट के दौरान खतरनाक मामलों का खुलासा हुआ। डेविड कैलहौन ने सीनेट के सामने 2018 और 2019 दुर्घटनाओं के पीड़ितों के परिवारों से माफी मांगी, और यह भी स्वीकार किया कि अलास्का एयरलाइंस की घटना एक विनिर्माण दोष का परिणाम थी। उन्होंने कहा, हमारे कारण जो नुकसान हुआ है, उसके लिए मैं माफी मांगता हूं। इस दौरान पीड़ितों के परिवार के सदस्यों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। कुछ पीड़ितों के परिवारों ने अब संघीय अधिकारियों से बोइंग पर 24.8 अरब डॉलर का जुर्माना लगाने और तीन साल पहले हटा दिए गए आपराधिक आरोप बहाल कर मुकदमा चलाने के लिए तेजी से कदम उठाने की मांग की है।

आरबीआई गवर्नर का दावा

क्रेडिट कार्ड असुरक्षित लोन दर घटकर 23 प्रतिशत; कार्रवाई से बैंकिंग-वित्तीय क्षेत्र पर संकट टला

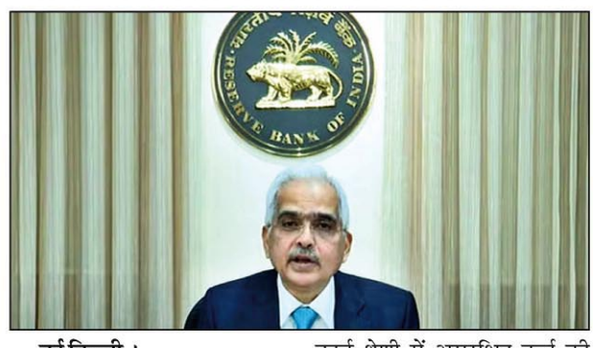

नई दिल्ली।
आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का कहना है कि असुरक्षित कर्ज पर कार्रवाई नहीं करने से बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में बड़ा संकट पैदा हो सकता था, जिसे हमने टाल दिया।दास ने बृहस्पतिवार को वित्तीय मजबूती पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा, यस बैंक में गड़बड़ियों पर हम 2016 से ही निगरानी कर रहे थे।आखिरकार 2018 में इसे बेलआउट कर बैंकिंग क्षेत्र में संभावित बड़े संकट को टाल दिया। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर मुख्य मानदंड अच्छे दिख रहे हैं। लेकिन, कुछ ऋणदाताओं के बीच असुरक्षित कर्ज को बढ़ावा देने के लिए अंधी दौड़ में शामिल होने की मानसिकता के स्पष्ट सबूत हैं। अगर इन पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह एक बड़ी समस्या बन सकती हैं। कार्रवाई का असर...क्रेडिट कार्ड श्रेणी में कर्ज वृद्धि घटकर अब 23 फीसदी आरबीआई गवर्नर ने कहा, इस तरह की गतिविधियों पर केंद्रीय बैंक की कार्रवाई से असुरक्षित कर्ज में वृद्धि की रफ्तार धीमी हुई है और इसका वांछित प्रभाव भी देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, क्रेडिट कार्ड श्रेणी में असुरक्षित कर्ज की वृद्धि की रफ्तार घटकर 23 फीसदी रह गई है। आरबीआई की कार्रवाई से पहले वृद्धि की यह रफ्तार 30 फीसदी थी। वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को बैंक कर्ज देने की वृद्धि 29 फीसदी से घटकर 18 फीसदी रह गई है। वित्तीय तंत्र अधिक मजबूत स्थिति में दास ने कहा, तमाम चुनौतियों के बावजूद भारतीय वित्तीय तंत्र अब कोविड संकट के दौर में प्रवेश करने से पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है। इसकी प्रमुख विशेषता मजबूत पूंजी पर्याप्तता, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) का निम्न स्तर व बैंकों और गैर-बैंकिंग ऋणदाताओं की स्वस्थ लाभप्रदता है। आरबीआई ने 16 नवंबर, 2023 को गैर-जमानती कर्ज व एनबीएफसी को दिए जाने वाले ऋण पर जोखिम भार बढ़ा दिया था। इससे बैंकों को ऐसी परिसंपत्तियों पर अधिक मात्रा में पूंजी रखनी होगी। आरबीआई के मुताबिक, 2021 से 2023 के बीच असुरक्षित कर्ज का हिस्सा 30.91 फीसदी से बढ़कर 33.83 फीसदी पहुंच गया।

पिछले वर्ष डीआरआई ने जब्त कीं 3500 करोड़ की प्रतिबंधित सामग्रियां, तस्करी के 623 मामलों का पता लगाया

नई दिल्ली।
राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने पिछले वित्त वर्ष में तस्करी के 623 मामलों का पता लगाया और 3500 करोड़ रुपये की प्रतिबंधित सामाग्रियां जब्त कीं। जब्त की गई सामग्रियों में सबसे ज्यादा ड्रग्स और सोना बरामद हुआ। दरअसल डीआरआई के प्रधान महानिदेशक मोहन कुमार सिंह भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की एक संगोष्ठी को संबोधित किया। देश में सबसे ज्यादा ड्रग्स और गोल्ड की स्मगलिंग होती है। उन्होंने कहा कि स्मगलिंग को रोकने के लिए सप्लाई चेन को तोड़ना बहुत जरूरी है और यह सबसे बड़ी चुनौती भी है। डीआरआई ने पिछले वित्तीय वर्ष में कई सारी प्रतिबंधित सामग्रियों का पता लगाया। डीआरआई के प्रधान महानिदेशक मोहन कुमार सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में घुसपैठ तस्करी पर अंकुश लगाने में एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। इन वस्तुओं की तस्करी के लिए हवाई यात्रियों, कोरियर और डाक कार्गो का इस्तेमाल किया जाना भी चिंता का विषय है। डीआरआई ने 623

तस्करी के मामलों का पता लगाया था। इसका मतलब है कि हर दिन औसतन 2 मामले सामने आते थे। तस्करी में डीआरआई ने 3,500 करोड़ रुपये जब्त किये थे। सिंह ने बताया कि इन स्मगलिंग में सबसे ज्यादा हिस्सा नशीले पदार्थों और साइकोट्रोपिक पदार्थों की होती है।इसके बाद सोना का नंबर आता है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा तस्करी फ्लाइट, कूरियर और पोस्ट कार्गो के जरिये होती है। ऐसे में इस पर रोक लगाना बहुत जरूरी है। सूत्रों के मुताबिक, डीआरआई ने वित्त वर्ष 2023-24 में 1,658 किलो सोना जब्त किया, जो पिछले वर्ष जब्त किए गए सोने से 35 फीसद अधिक है। ऐसे में तस्करी के मामलों में आई तेजी को रोकना बेहद जरूरी है।

अप्रैल में ईपीएफओ से शुद्ध रूप से रिकॉर्ड 18.92 लाख सदस्य जुड़े, श्रम मंत्रालय ने जारी किया बयान

नई दिल्ली।
सेवानिवृत्ति कोष निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से अप्रैल महीने में शुद्ध रूप से रिकॉर्ड 18.92 लाख सदस्य जुड़े। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। श्रम मंत्रालय ने बयान में कहा कि अप्रैल, 2018 में ईपीएफओ की तरफ से संबद्ध कर्मचारियों का आंकड़ा पहली बार जारी किए जाने के बाद से यह एक महीने में शुद्ध रूप से जुड़े सदस्यों की सर्वाधिक संख्या है। बयान के मुताबिक, इस साल मार्च की तुलना में अप्रैल के महीने में शुद्ध रूप से जुड़े सदस्यों की संख्या में 31.29 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन से अप्रैल में शुद्ध रूप से 18.92 लाख सदस्य जुड़े। यह अप्रैल, 2023 की तुलना में 10

प्रतिशत अधिक है। बयान के मुताबिक, सदस्यता में इस वृद्धि के लिए विभिन्न कारक जिम्मेदार रहे जिनमें रोजगार अवसरों में वृद्धि, कर्मचारी लाभ के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के संपर्क कार्यक्रमों का प्रभाव शामिल है।

आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल के महीने में लगभग 8.87 लाख नए सदस्य नामांकित हुए हैं। ईपीएफओ से जुड़ने वाले कर्मचारियों में 18-25 आयु वर्ग का दबदबा दिखाई देता है। अप्रैल में जोड़े गए कुल नए सदस्यों में इस आयु वर्ग की हिस्सेदारी 55.50 प्रतिशत है। यह दर्शाता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा हैं और पहली बार नौकरी करने वाले हैं। यह आंकड़ा बताता है कि लगभग 14.53 लाख सदस्य ईपीएफओ से अलग हुए और फिर दोबारा इसका हिस्सा बने। दरअसल इन सदस्यों ने अपनी नौकरी बदली और ईपीएफओ के दायरे में आने वाले प्रतिष्ठानों में फिर से शामिल हो गए। पेरोल आंकड़ों के लिंग-आधारित विश्लेषण से पता चलता है कि 8.87 लाख नए सदस्यों में से लगभग 2.49 लाख नई महिला सदस्य हैं। साथ ही अप्रैल में शुद्ध महिला सदस्य जुड़ाव लगभग 3.91 लाख रहा, जो मार्च की तुलना में लगभग 35.06 प्रतिशत अधिक है। शुद्ध रूप से जुड़ने वाले सदस्य महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात और हरियाणा में सबसे अधिक हैं।

सबसे मूल्यवान कंपनी बनने की रेस जारी; एनवीडिया से फिर आगे माइक्रोसॉफ्ट

नई दिल्ली।
एनवीडिया के शेयरों में लगभग 3.4 प्रतिशत की गिरावट आई, जिससे दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी का खिताब माइक्रोसॉफ्ट को वापस मिल गया। एनवीडिया का बाजार पूंजीकरण माइक्रोसॉफ्ट से आगे निकल गया था। कंपनी के शेयर फिलहाल 131.88 डॉलर पर हैं। बाजार बंद होते समय कंपनी की मार्केट वैल्यू 3.34 ट्रिलियन डॉलर रही और इसमें पिछले दिन के क्लोजिंग के मुकाबले करीब 91 बिलियन डॉलर की कटौती हुई। इस दौरान माइक्रोसॉफ्ट का बाजार मूल्य भी फिसलकर 3.30 ट्रिलियन डॉलर हो गया। दोपहर के कारोबार में इसके शेयर 0.4 प्रतिशत नीचे 444.8 डॉलर पर कारोबार करते दिखे।

सबसे मूल्यवान कंपनी बनने की रेस में तीन कंपनियों के बीच कांटे की टक्कर

एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट और एपन दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बनने के लिए रेस में हैं। टिम कुक के नेतृत्व वाली आईफोन निर्माता एपल का बाजार पूंजीकरण 3.22 ट्रिलियन डॉलर है, कंपनी के शेयर शेयर 2.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ 210.10 डॉलर पर कारोबार करते दिखे।

एनवीडिया के शेयरो की कीमत इस साल हुई अब तक लगभग तीन गुना

उधर, एलन मस्क ने अपने एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि डेल और सुपर माइक्रो अपने एक्सएआई स्टार्टअप के सुपर कंप्यूटर के लिए सर्वर रैक की आपूर्ति कर रहे हैं, जिसका उपयोग इसके एआई टूल, ग्रोक की क्षमताओं का विस्तार करने के लिए किया जाएगा। डेल टेक्नोलॉजीज और सुपर माइक्रो कंप्यूटर के शेयर क्रमश: 1 प्रतिशत और 0.7 प्रतिशत गिर गए। मस्क ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि ग्रोक 2 मॉडल को प्रशिक्षित करने में लगभग 20,000 एनवीडिया एच100 ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट लगे और ग्रोक 3 मॉडल और उससे आगे के लिए 100,000 एनवीडिया एच100 चिप्स की आवश्यकता होगी। एनवीडिया के शेयरो की कीमत इस साल अब तक लगभग तीन गुना हो गई है। सुपर माइक्रो के शेयरों की वैल्यू इसी अवधि में तीन गुना से ज्यादा रही है, जबकि डेल का शेयर करीब 95 पर्सेंट चढ़ा है। फिलाडेल्फिया एसई सेमीकंडक्टर इंडेक्स अप्रैल में सबसे हालिया गिरावट के बाद से लगभग 34 प्रतिशत बढ़ गया बढ़कर लाइफटाइम हाई पर बंद हुआ।

माइक्रोसॉफ्ट और एपल से आगे निकल गया एनवीडिया

इससे पहले अमेरिका की प्रौद्योगिकी दिग्गज कंपनी एनवीडिया कॉर्प माइक्रोसॉफ्ट और एपल जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक मार्केट-कैप रैंकिंग के शीर्ष पर पहुंच गया था। 3.335 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट-कैप के साथ एनवीडिया अब कुछ सबसे बड़े वैश्विक बाजारों की तुलना में भी अधिक मूल्यवान है।

भारत की सबसे मूल्यवाल कंपनी रिलायंस शीर्ष कंपनियों में 46वें नंबर पर

एनपीडिया का मार्केट कैप वर्ष वर्ष 2024 में सेंसेक्स के कुल मार्केट कैप से भी अधिक बढ़ा है। 20 जून के कारोबारी सत्र के बाद सेंसेक्स का कुल मार्केट कैप 1829 अरब डॉलर था। जबकि सिर्फ 2024 में एनवीडिया का मार्केट कैप 2,112 अरब डॉलर बढ़ा है। एनवीडिया मार्केट कैप के मामले में फ्रांस, कनाडा, जर्मनी और साऊदी अरब के कुल मार्केट कैप से भी अधिक है। एनवीडिया के मार्केट कैप का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि टॉप 100 मार्केट कैप वाली कंपनियों में भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज (236.86 अरब डॉलर) 46वें, टीसीएस (165.07 अरब डॉलर) 77वें और एचडीएफसी बैंक (151.13 अरब डॉलर) 90वें स्थान पर है।

चिराग-सात्विक पर ओलंपिक में पदक जीतने का दबाव, बोले- हम इसे सकारात्मक रूप से ले रहे हैं

नई दिल्ली ।
ओलंपिक में पदक के प्रबल दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कहा कि उन पर अपेक्षाओं का दबाव है लेकिन वे इसे झेलने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह इसे सकारात्मक रूप से देख रहे हैं। पेरिस ओलंपिक खेल शुरू होने में अब कुछ दिन ही बचे हैं और भारतीय बैडमिंटन की स्टार जोड़ी ने स्वीकार किया कि उनसे काफी उम्मीदें की जा रही हैं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के साथ एक कार्यक्रम में बात करते हुए सात्विक ने कहा कि वे देश का गौरव बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सात्विक ने कहा,''हम ओलंपिक में भारतीय के ध्वज को ऊंचा रखने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। हम इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।''

चिराग दबाव को लेकर चिंतित नहीं है क्योंकि वह अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए सकारात्मक बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, दबाव है लेकिन हम इसे सकारात्मक रूप से देख रहे हैं। चिराग ने टोक्यो ओलंपिक से जुड़ी यादों पर भी बात की जो उनका पहला ओलंपिक भी था।

उन्होंने कहा, टोक्यो ओलंपिक में भाग लेना और यह अहसास होना कि हम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं, शानदार अनुभव था। ओलंपिक गांव में घूमते समय मुझे लगा कि दुनिया के चोटी के खिलाड़ी भी आम इंसानों जैसे ही हैं लेकिन वह अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ हैं। सात्विक ने खुलासा किया कि तोक्यो ओलंपिक के दौरान वह प्रत्येक मैच से पहले नीरज चोपड़ा से हाथ जरूर मिलाते थे जिन्होंने इन खेलों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। सात्विक ने कहा, नीरज हमेशा हमारा हौसला बढ़ाने के लिए वहां मौजूद रहते थे। वह सभी को बधाई देते थे। मैं उन्हें अपने लिए भाग्यशाली मानता था और इसलिए हमेशा प्रत्येक में से पहले उनके साथ हाथ मिलाता था। मैं उनसे कहता भैया मैच है।

न्यूज ब्रीफ

अधिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को सही नहीं मानते एम्बरोज

ब्रिजटाउन । वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज रहे कर्टली एम्बरोज ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार काफी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला जा रहा है वह ठीक नहीं है। एम्बरोज के अनुसार इससे खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'अब खेल का व्यवसायीकरण हो गया है। इतना ज्यादा क्रिकेट इसी कारण खेला जा रहा है। एक श्रृंखला के बाद दूसरी श्रृंखला और इस बीच फ्रेंचाइजी क्रिकेट अलग चलता रहता है। यह रोमांचक है पर इतना ज्यादा क्रिकेट चिंता का विषय है, इससे खिलाड़ियों की फिटनेस प्रभावित हो रही है। एम्बरोज ने सीमित ओवरों की क्रिकेट भी काफी खेली है पर उनका मानना है कि लीजैंड टेस्ट क्रिकेट से ही निकलते हैं। उन्होंने कहा, 'मैने हमेशा टेस्ट क्रिकेट को वरीयता दी है। मैने वनडे और चार दिवसीय क्रिकेट भी खेला है लेकिन मेरे लिए वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं है। टेस्ट क्रिकेट ही असली क्रिकेट है। अपने करियर के अंत में आप लीजैंड तभी कहलाएंगे जब आपने टेस्ट क्रिकेट में अच्छा किया हो। वहीं इस पूव तेज गेंदबाज ने भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें अपने एक्शन में कोई बदलाव नहीं करना चाहिये। बुमराह के लिए ये राहत की बात है क्योंकि इससे पहले कई क्रिकेटरों का कहना था कि उन्हें अपने एक्शन को ठीक करना चाहिये क्योंकि इससे चोटिल होने का खतरा है। वहीं एम्बरोज के अनुसार कि अपने गैर पारंपरिक गेंदबाजी एक्शन में बुमराह कोई भी बदलाव करे। उनका मानना है कि हर तेज गेंदबाज को चोटिल होने का खतरा उठाना ही पड़ा है। इसमें एक्शन से कुछ फर्क नहीं पड़ता है।

कोटा बदलने की मंजूरी के बाद श्रेयसी सिंह भारतीय निशानेबाजी टीम में शामिल

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएफएसएफ) से मंजूरी मिलने के बाद अनुभवी ट्रैप निशानेबाज श्रेयसी सिंह को पेरिस ओलंपिक के लिए 21 सदस्यीय भारतीय निशानेबाजी टीम में शामिल किया गया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने आईएसएसएफ से मंजूरी मिलने के बाद यह घोषणा की। भारतीय संघ ने निशानेबाजी की विश्व संस्था से कोटा बदलने का आग्रह किया था। मनु भाकर एयर पिस्टल और स्पोर्ट्स पिस्टल दोनों में शीर्ष पर रही थी इसलिए उनका एक कोटा स्थान महिला ट्रैप निशानेबाजी में बदल दिया गया जिससे श्रेयसी को टीम में जगह मिल गई। श्रेयसी सक्रिय राजनीति में भी शामिल हैं और बिहार के जमुई विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। यह 32 वर्षीय निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी के साथ महिला ट्रैप स्पर्धा में भाग लेंगी। एनआरएआई के महासचिव के. सुल्तान सिंह ने कहा, हमने आईएसएसएफ से 10 मीटर एयर पिस्टल महिला वर्ग में एक कोटा स्थान बदलकर ट्रैप महिला वर्ग में करने का अनुरोध किया था जिसे मंजूर कर लिया गया है। इसलिए श्रेयसी सिंह को टीम में शामिल कर दिया गया।

एमबापे की वापसी का इंतजार कर रहे प्रशंसक

पेरिस । फ्रांस के प्रशंसक अपने स्टार फुटबॉलर किलियन एमबापे की खेल में वापसी का इंतजार कर रहे हैं। एमबापे नाक में लगी चोट के बाद से ही मैदान से दूर हैं। वहीं उनके प्रशंसक जानना चाहते हैं कि उनका ये पसंदीदा खिलाड़ी यूरोपीय चैम्पियनशिप से कितने और समय तक बाहर रहेगा। वहीं एमबापे के दो साथी खिलाड़ियों ने कहा है कि एमबापे अब पहले से बेहतर हैं और शीघ्र वापसी करेंगे। जिससे उनके प्रशंसकों को थोड़ी राहत मिली है। एमबापे के दो साथी खिलाड़ियों मिडफील्डर एड्रियन रबियोट ने कहा, ''नाक में फ्रेक्चर दुनिया का अंत नहीं है। किलियन जल्द ही हमारे साथ खेलते हुए दिखेंगे।'' वहीं विलियम सलीबा ने कहा कि उन्होंने एमबापे से बात की जो अब पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं। फ्रांस के ऑस्ट्रिया के खिलाफ हुए ग्रुप डी मुकाबले में एमबापे प्रतिद्वंदी टीम के डिफेंडर केविन डान्सो से टकरा गये थे जिससे उनकी नाक में फ्रेक्चर हो गया था। फ्रांसीसी प्रशंसकों को उम्मीद है कि एमबापे यूरो 2024 के आगे के हिस्से में खेलेंगे क्योंकि ऑस्ट्रिया पर जीत से फ्रांस के 29 जून से शुरू होने वाले नॉकआउट चरण में पहुंचने की पूरी संभावनाएं हैं।वहीं टीम के एक खिलाड़ी रैबियोट ने कहा कि वह नहीं जानते कि एमबापे कब तक बाहर रहेंगे पर कहा कि उसके बिना मैच में उतरना कठिन रहेगा ।

टी20 विश्व कप : सुपर आठ में आज बांग्लादेश पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नॉर्थ साउंड ।
भारतीय टीम का मुकाबला आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट के सुपर आठ चरण के दूसरे मैच में बांग्लादेश से होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में भी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा।

भारतीय टीम ने सुपर आठ के पहले मैच में अफगानिस्तान को आसानी से हराया है। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में है जिसका लाभ उसे मिलेगा। अफगानिस्तान के खिलाफ सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या ने अच्छी बल्लेबाजी की थी जिससे वह यहां भी जारी रखना चाहेंगे।

भारतीय टीम हालांकि इसके बाद भी बांग्लादेश को हल्के में नहीं लेगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली अब तक टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे पाये हैं और ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में अच्छी साझेदारी बनाना रहेगा। वहीं बाएं हाथ के बल्लेबाज शिवम दुबे भी अब तक इस सीरीज में रन नहीं बना पाये हैं ऐसे में उनपर भी तेजी से रन बनाने का दबाव रहेगा।

आईपीएल वह जिस प्रकार से बड़े शॉट लगा रहे थे वैसे यहां नहीं लगा पाये हैं। उन्होंने केवल एक लीग मैच में अमेरिका के खिलाफ 31 रन बनाए अगर वह इस मैच में विफल रहे तो अगले मैच में उन्हें बाहर बैठना पड़ेगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में हार्दिक का बल्लेबाजी फॉर्म में लौटना भारतीय टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। वहीं गेंदबाजी में भारतीय टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। स्पिनर कुलदीप यादव ने अफगानिस्तान के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी।

ऐसे में उन्हें इस मैच में भी बनाये रखा जाएगा। मैच के बाद अक्षर पटेल ने कहा था कि बाएं हाथ के तीन स्पिनरों को उतारने से टीम को दबाव बनाने का अवसर है। एक कलाई के स्पिनर और दो ऊंगली के स्पिनर होने से हमे लाभ हुआ है।

इन तीनों का संयोजन जबर्दस्त रहा है। हमारे पास अच्छी टीम है और हमारा तालमेल बेहतरीन है। हम आपस में बात करते हैं कि देखते हैं कि जीत के लिए किस चीज की जरुरत है।

भारतीय टीम इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेगी

वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश के बल्लेबाजों का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है जिससे वह दबाव में रहेगी। सुपर आठ में उसे अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से भी हार का सामना करना पड़ा था। अब वह अपनी उम्मीदें बनाए रखने के लिये हर हालत में जीत हासिल करने के इरादे से उतरेगी। उसके पास पावर हिटर्स की कमी है।

सलामी बल्लेबाजों लिटन दास और तंजीद खान का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं है। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो भी टीम के शीर्ष क्रम की असफलता से परेशान हैं। ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद उन्होंने कहा था कि शुरुआती बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी लय में नहीं है जिससे भी टीम की मुश्किलें बढ़ीं हैं। ऐसे में कुल मिलाकर देखें तो इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह इस प्रकार है :

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब।

सोशल मीडिया से गोपनीयता हुई प्रभावित : ब्रेट ली

क्राइस्टचर्च ।
पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि सोशल मीडिया के आने के बाद मोबाइल कैमरा सबसे अच्छी और सबसे खराब चीज बन गयी है। ली ने कहा कि साल 2000 के दशक की शुरुआत में जब फोन आए थे, लोग आपके साथ एक फोटो लेते थे। एक ऑटोग्राफ और एक तस्वीर होती थी। साल 2015 और 2020 के मध्य में अब क्या होता है कि खिलाड़ी हमेशा शो में रहते हैं।

कोई भी जो किसी लीग में खेल रहे हैं, वे हमेशा शो में रहते हैं, वे डिनर के लिए बाहर जाते हैं। ली ने कहा कि फोन कैमरा की अच्छी बात यह है कि आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ खूबसूरत यादें कैद कर सकते हैं पर इससे हमारी गोपनीयता प्रभावित हुई है। अगर आप अपने परिवार, अपने प्रियजनों, दोस्तों के साथ डिनर कर रहे हैं अचानक ही कोई एक तस्वीर ले लेता है और यह तुरंत पूरी दुनिया में फैल जाती है। अब, आपको भी इससे निपटने और इसे स्वीकार करने में सक्षम होना होगा।

वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल बेवन ने कहा कि सोशल मीडिया युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। बेवन ने कहा कि युवा पीढ़ी सोशल मीडिया का अधिक उपयोग करती है इससे उनके करियर पर प्रभाव पड़ेगा। उन्हें यह निर्णय लेना होगा कि वे टिप्पणियां पढ़ना चाहते हैं या कितना पोस्ट करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं कल्पना कर सकता हूं कि आधुनिक समय के कुछ खिलाड़ियों के लिए यह आसान नहीं रहेगा। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर रॉस टेलर ने टेलर ने कहा कि आजकल सोशल मीडिया के कारण सभी की नजरें खिलाड़ियों पर रहती हैं इसलिए सभी बातों का ध्यान रखना जरुरी है। टेलर सोशल मीडिया से हो रही इस निगरानी को गलत भी नहीं मानते।

कमिंस टी20 विश्वकप में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने

नॉर्थ साउंड ।
ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपरआठ मुकाबले में हैट्रिक लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। कमिंस ने इस मैच में लगातार तीन गेंदों पर विकेट लेकर बांग्लादेश की बल्लेबाजी को ढ़हा दिया।

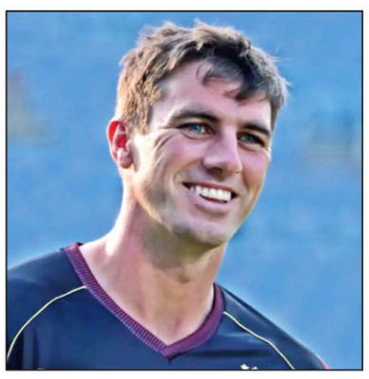

कमिंस ने तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर महमूदुल्लाह को क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके बाद अगली गेंद पर मेहदी हसन को एडम जम्पा के हाथों कैच कराया। इसके बाद अगले ही ओवर की पहली ही गेंद पर कमिंस ने तौहीद हृदय को पेवेलियन भेजकर अपनी हैट्रिक पूरी की। यह पारी का 20वां ओवर था। कमिंस ने इस मैच में 4 ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट लिए। यह टी20 विश्वकप इतिहास में सातवीं बार है जब किसी गेंदबाज ने इस प्रकार से हैट्रिक लगायी है। विश्वकप में पहली हैट्रिक ऑस्ट्रेलिया के ही ब्रेट ली के नाम है। ब्रेट ली ने भी ये हैट्रिक साल 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ लगायी थी। इस प्रकार कमिंस टी20 विश्वकप में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं।

टी20 विश्व कप इतिहास में केवल पांच टीमों के गेंदबाज के नाम ही हैट्रिक हैं। इनमें से दो-दो गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड के हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ब्रेट ली के बाद ये कारनामा कमिंस ने किया है। जबकि आयरलैंड की ओर से कर्टिस कैम्फर और जोशुआ लिटिल ने हैट्रिक लगायी है। इसके अलावा श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा, दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा और यूएई के कार्तिक मयप्पन ने भी हैट्रिक लगायी है।

भारतीय कप्तान ने सूर्या-हार्दिक को दिया अफगानिस्तान पर जीत का श्रेय

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)।
भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 विश्व कप में सुपर-8 मुकाबले में अफगानिस्तान पर 47 रनों की जीत दर्ज करने के बाद सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या के बीच 60 रनों की साझेदारी को श्रेय दिया।

दोनों बल्लेबाजों ने 11वें ओवर में मध्यक्रम में मिलकर पांचवें विकेट के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी की और टीम को 150 रनों के पार पहुंचाया।

सूर्यकुमार ने 28 गेंदों पर तीन छक्कों और पांच चौकों की मदद से 53 रनों की पारी खेली, जबकि हार्दिक पांड्या ने 32 रन बनाए, जिससे भारत ने 20 ओवर में 181/8 का स्कोर बनाया।

रोहित ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि हर कोई जो मैदान पर आकर अपना काम कर रहा है, वह हमारे लिए महत्वपूर्ण है और हम इस पर ध्यान देते हैं। इसलिए हम इस बारे में बात करते रहते हैं कि अगर हर कोई अपनी भूमिका निभा सकता है, तो हम अपने लिए एक अच्छा मंच तैयार कर सकते हैं।

उस समय सूर्या और हार्दिक की साझेदारी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण थी क्योंकि हम लगातार विकेट खो रहे थे। इसलिए हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत थी जो क्रीज पर रहे। सूर्या ने हार्दिक पांड्या के साथ मिलकर ऐसा किया और अंत में यह एक शानदार साझेदारी रही।

182 रनों का पीछा करते हुए, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह ने तीन-तीन विकेट चटकाए और अफगानिस्तान को 20 ओवरों में 134 रनों पर समेट दिया।

बुमराह ने अपने चार ओवरों में 3-7 के शानदार आंकड़े के साथ वापसी की और रहमानुल्लाह गुरबाज (11), हजरतुल्लाह जजई (2) और नजीबुल्लाह जादरान (19) के महत्वपूर्ण विकेट लिए।

रोहित ने कहा कि बुमराह अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझते हैं और हमेशा चुनौती लेने के लिए तैयार रहते हैं।

कप्तान ने कहा, हम उसकी क्लास जानते हैं। हम जानते हैं कि वह हमारे लिए क्या कर सकता है और हमारे लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि हम उसका समझदारी से इस्तेमाल करें।

भारत ने अपने स्पिन आक्रमण को मजबूत करने के लिए कुलदीप यादव को अपनी प्लेइंग 11 में शामिल किया और इस कदम से टीम को फायदा भी मिला। रोहित ने भी इस तथ्य को स्वीकार किया और कहा कि वे परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करेंगे।

गत चैम्पियन इटली को हराकर स्पेन यूरो 2024 के नॉकआउट में, इंग्लैंड-डेनमार्क का मैच 1-1 से ड्रॉ रहा

गेलसेनकिरचेन (जर्मनी) ।
तीन बार की यूरोपीय चैम्पियन स्पेन ने मौजूदा चैम्पियन इटली को 1-0 से हराकर यूरो फुटबॉल चैम्पियनशिप 2024 के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया। रिकार्डो कालाफियोरी के 55वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से स्पेन को जीत तोहफे में मिली। स्पेन ने हालांकि पूरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। इटली के कोच लूसियानो स्पालेत्ती ने हार के बाद कहा, वे जीत के हकदार थे। हम मैच में कभी थे ही नहीं। प्रदर्शन में काफी अंतर था। स्पेन पिछले तीन विश्व कप से जल्दी बाहर होता आया है। वहीं पिछली यूरो चैम्पियनशिप में उसे इटली ने सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में हराया था। दो मुकाबले रहे थे ड्रॉ ग्रुप सी के मैच में इंग्लैंड ने डेनमार्क से

1-1 से ड्रॉ खेला। इंग्लैंड की ओर से कप्तान हैरी केन ने 18वें मिनट में बेहतरीन गोल दागा। इसके बाद डेनमार्क की ओर से मोर्तेन जुलमंड ने 34वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। वहीं सर्बिया और स्लोवेनिया का मैच भी 1-1 से ड्रॉ रहा। स्लोवेनिया की ओर से जान कार्निचनिक ने 69वें मिनट में गोल दाग अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया था। इसके बाद 90+5वें मिनट यानी इंजरी टाइम में सर्बिया के लुका जोविच ने गोल दाग स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। स्कॉटलैंड से 1-1 से मुकाबला रहा बराबर जेरदान शकीरी, यह फुटबाल की दुनिया का वह नाम जिसने स्विटजरलैंड को बड़े मंच पर प्रतिष्ठा दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। शकीरी ने यही काम स्कॉटलैंड के खिलाफ भी किया। जब सभी कह रहे थे कि यह 32 वर्षीय फुटबॉलर चुक गया है, तभी उन्होंने ऐसा चमत्कारी गोल कर स्विटजरलैंड को बराबरी दिलाई, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान उनकी ओर खींच लिया। बॉक्स के बाहर, लगभग 20 मीटर की दूरी से उन्होंने ऐसा लेफ्ट फुटर जड़ा कि गेंद की गोलकीपर एंगस गन को छकाते हुए गोल के शीर्ष कोने में समा गई।

इस गोल की बदौलत स्विटजरलैंड ने स्कॉटलैंड से 1-1 से ड्रॉ खेला। ग्रुप ए में उसके चार अंक हो गए हैं। वह शीर्ष पर मौजूद मेजबान जर्मनी से पीछे है। इससे पहले जर्मनी ने जमाल मुसियाला और इल्के गुंडोगन के गोल की बदौलत हंगरी को 2-0 से हराया। जर्मनी इस जीत के साथ नॉकआउट दौर में प्रवेश करने वाली पहली टीम बन गई थी।

स्थानापन्न खिलाड़ी जोविच ने सर्बिया को हार से बचाया, इंजरी समय में दागा गोल मैच ड्रॉ पर समाप्त

म्यूनिख । अपने पहले मैच में डेनमार्क से ड्रॉ खेलने वाली स्लोवेनिया की टीम अपना अंतिम ग्रुप मैच इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगी, जबकि इसी दिन सर्बिया की भिड़ंत डेनमार्क से होगी। स्थानापन्न खिलाड़ी लुका जोविच के इंजरी टाइम में दागे गोल की बदौलत सर्बिया ने यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) में स्लोवेनिया को 1-1 से बराबरी पर रोका दिया। इसके साथ ही स्लोवेनिया की टीम यूरोपीय चैंपियनशिप में पहली जीत दर्ज करने से भी महरूम रह गई। सर्बिया को अपने पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। जेन कार्निकनिक ने 69वें मिनट में स्लोवेनिया को बढ़त दिलाई और ऐसा लग रहा था कि टीम ऐतिहासिक जीत दर्ज करने में सफल रहेगी लेकिन जोविच ने इंजरी टाइम में गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। जोविच के गोल से सर्बिया के दर्शक खुशी से झूम उठे लेकिन उन्होंने मैदान पर चीजें भी फेंकनी शुरू कर दी। गोल होने के बाद खेल शुरू होते ही रेफरी ने मैच खत्म होने का इशारा करने वाली सीटी बजा दी जिसके बाद स्लोवेनिया के खिलाड़ियों के चेहरों पर निराशा साफ देखी जा सकती थी। अपने पहले मैच में डेनमार्क से ड्रॉ खेलने वाली स्लोवेनिया की टीम अपना अंतिम ग्रुप मैच इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगी, जबकि इसी दिन सर्बिया की भिड़ंत डेनमार्क से होगी।

कई बिमारियों में कारगार है ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल एक बहुत ही कारगर घरेलू उपाय है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण की मौजूदगी श्वसन तंत्र को सुचारू बनाने में फायदेमंद होती है। साथ ही यह दर्द को कम करने में मदद करता है। एक आधा छोटी चम्मच ऑलिव ऑयल में सामान मात्रा में शहद मिलाकर, सोने से पहले नियमित रूप से लें। गले में कंपन को कम करने और खर्राटों को रोकने के लिए नियमित रूप से इस उपाय का प्रयोग करें।

धूम्रपान से मुंह की बीमारियों का खतरा क्यों!

सिगरेट पीने से न सिर्फ कुछ जीवाणु मुंह में जमा हो जाते हैं, बल्कि वे शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर भी हावी हो जाते हैं, जिसके कारण मुंह संबंधी कई बीमारियां हो सकती हैं। ये जीवाणु दांत, हृदय वॉल्व और धमनियों में बायोफिल्म्स का निर्माण करते हैं। बॉयोफिल्म कई सारी सूक्ष्म जीवाणुओं से मिलकर बनी जटिल संरचना होती है। इसके कारण कई अन्य नई समस्याएं भी पैदा हो जाती है।

डॉक्टर की सलाह के बिना पैरासीटामॉल लेने से हो सकती हैं ये बीमारियां

सिर में मामूली सा दर्द हुआ नहीं कि रीमा ने पैरासीटामॉल की गोली गटक ली। रीमा हीं नहीं बल्कि रीमा की तरह बहुत से लोग ऐसा हीं करते हैं। लोगों को सेल्फ मेडिकेशन एक आसान, सस्ता और कम समय में होने वाला उपाय लगता है। लेकिन कम समय में मिलने वाली राहत जल्द ही स्थायी आदत में तब्दील हो जाती है और शरीर कई बीमारियों की चपेट में आ जाता है। माना कि पैरासीटामॉल एक ऐसी दर्दनिवारक दवा है जिसे दर्द होने पर समान्य लोगों के साथ-साथ गर्भवती महिलाएं भी आसानी से ले लेती है। और अधिक नुक्सानदेह ना होने कारण भारतीय मेडीकल दुकानों पर यह दवा बिना डॉक्टर की स्लिप आसानी से ली जा सकती हैं। लेकिन डॉक्टरी सलाह के बिना मामूली बुखार से परेशान होने पर भी आप पैरासीटामॉल की गोली ले लेते हैं और ऐसा आप कई सालों से करते आ रहे हैं, तो सावधान हो जाये। क्योंकि हर बार मामूली से दर्द या बुखार में पैरासीटामॉल लेना फायदे से ज्यादा नुकसानदेह हो सकता है। इसके अधिक इस्तेमाल से शरीर के कई अंगों को नुकसान हो सकता है। आइए जानें बिना डॉक्टर की सलाह के बिना पैरासीटामॉल लेना शरीर के लिए कैसे नुकसानदेह होता है। क्या आपने कभी भी दवा के पैकेट पर लिखा देखा हैं कि ज्यादा मात्रा में पैरासीटामॉल लेना लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। जीं हां डॉक्टरों का कहना है कि एक व्यक्ति को एक दिन में 3 ग्राम से ज्यादा पैरासीटामॉल नहीं लेनी चाहिए और अगर किसी कारणवश लेनी भी पड़े तो पहले अपने डॉक्टर से पूछ लेना चाहिए।

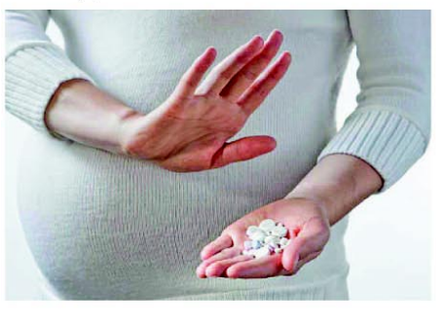

गर्भवती और बच्चों के लिए नुकसानदेहः आपको यह जानकर भी हैरानी होगी कि गर्भवती के लिए सुरक्षित मानी जाने वाली पैरासीटामॉल अगर बिना जांच के गर्भवती को दी जाती है तो सुरक्षित समझे जाने वाली पैरासीटामॉल की गोली गर्भ में पल रहे बच्चे के पूर्ण विकास में रुकवाट पैदा कर सकती है। नेशनल हेल्थ सर्विस के अनुसार गर्भवती को बिना डॉक्टरी सलाह के पैरासीटामॉल नही लेनी चाहिए।

किडनी पर असरः दर्द निवारक दवा के रूप में पैरासीटामॉल का लंबे समय तक सेवन करना बहुत हानिकारक है। बिना डॉक्टरी सलाह के पीठ दर्द के लिए इसे लेने पर यह लाभ के बजाए नुकसान पहुंचाती है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के शोधकर्ताओं के अनुसार आस्टियोआर्थराइटिस एवं पीठ दर्द को कम करने के लिए लोग पैरासीटामॉल का इस्तेमाल आसानी से करते हैं, पर इसका किडनी पर असर पड़ता है।

अस्थमा की समस्याः हल्का सा बुखार होने पर ही हम अपने बच्चे को पैरासीटामॉल देने लगते हैं। लेकिन कई शोधों से ये बात साबित हुई है कि 6-7 साल की उम्र में बच्चों को पैरासीटामॉल देने से उनके शरीर में अस्थमा के लक्ष्णों को बढ़ावा मिलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि बच्चों को 101.3 एस्न बुखार होने पर ही पैरासीटामॉल देनी चाहिए।

पेट में गैस की समस्या और त्वचा पर एलर्जी : कई मामलों में तो पैरासीटामॉल का अधिक सेवन पेट में गैस की समस्या पैदा कर सकता है। तो अगर आप अपच या पेट में भारीपन से परेशान हैं तो हो सकता है कि ऐसा पैरासीटामॉल के सेवन से हो रहा हो। इसके अलावा कुछ लोगों को पैरासीटामॉल के अधिक सेवन करने से त्वचा पर लाल चकत्ते और एलर्जी हो जाती है, जिसमें खुजली या जलन भी होती है।

लीवर को नुकसानः अगर आप पीलिया या लीवर संबंधी किसी समस्या से पीड़ित हैं, तो डॉक्टर की सलाह लिए बिना पैरासीटामॉल खाने से लीवर डैमेज हो सकता है। कई मामलों में लीवर फेलियर के भी चांस होते हैं। इसलिए दवा को लेने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

सुस्ती महसूस होनाः इसके अलावा कई बार पैरासीटामॉल लेने के बाद बहुत ज्यादा सुस्ती महसूस होती है। तो ऐसे में डॉक्टर से सलाह जरुर लें।

आंखों के दर्द से जुड़ी खास बातें

बहुत से लोग अपनी आंखों को लेकर बहुत ही लापरवाह होते हैं और आंख में हल्के-फुल्के दर्द या समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन ये आदत भारी पड़ सकती है और इससे कई समस्याएं हो सकती हैं।

आंखों में दर्द के कारण

आंखे अनमोल हैं और शायद इसलिए ही ये शरीर का सबसे नाजुक और महत्वपूर्ण अंग हैं। आंखे जितनी अनमोल हैं, इनको देखभाल की भी उतनी ही जरूरत होती है। बहुत से लोग अपनी आंखों को लेकर बहुत ही लापरवाह होते हैं, और आंख में हल्के-फुल्के दर्द या समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन आपकी ये आदत भारी पड़ सकती है। तो आंखों के दर्द को नज़रअंदाज न करें और जानें कि आंख में क्यों दर्द हो रहा है।

ऊपरी सतह पर दर्द

कई बार आपकी आंख की ऊपरी सतह पर दर्द होता है, और आपको इससे आंख में जलन, और खुजली भी महसूस होती है। यह अक्सर तब होता है जब आपको आंख में कोई चोट लगी हो। इस तरह का दर्द होने पर आप डाक्टर की सलाह पर आई ड्राप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

भीतरी भाग में दर्द

आंखों के भीतरी भाग में दर्द होने पर आप अपनी आंखों में स्पंदन और किरकिरेपन जैसा महसूस करते हैं। इस तरह की स्थिति तुरंत में डॉक्टर से मिले क्योंकि यह किसी गंभीर चोट की वजह से होने वाला दर्द हो सकता है।

गंदगी की वजह से होने वाला दर्द

धूल मिट्टी से होने वाले दर्द से आंखों में खुजली होती है और वे लाल हो जाती है। इससे बचने के लिए सबसे बढ़िया तरीका है आंखों पर ठंडे पानी की छिटे मार कर इन्हें धोएं। इससे आंखों की गंदगी साफ हो जाएगी। आंखों पर हाथ न लगाएं।

चोट की वजह से आंख में दर्द

चोट लगने पर आंखों को सबसे ज्यादा हानि पहुंचती है। आंखों में जलन या बहुत तेज दर्द होना, इसका सबसे पहला लक्षण होता है। यह बहुत तेज रोशनी या सूरज की किरणों से भी हो सकता है।

गुहेरी

यह आमतौर पर आंखों के अंदरुनी भाग के किनारों पर होती है। ये आंख में किसी फुंसी के हो जाने जैसा होता है। ऐसे में आंख बेहद संवेदनशील हो जाती है और इसकी वजह से थोड़ा दर्द भी महसूस हो सकता है। इसके इलाज का सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसे छूएं नहीं, और अपने आप ठीक होने दें। बस आंख की साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें।

कॉंटेक्ट लेंस के कारण

जब आप हर समय कांटेक्ट लेंस पहने रहते हैं और इसे समय-समय पर साफ नहीं करते हैं तो इससे आंखों में जलन होने लगती है और कभी-कभी दर्द भी होता है। पुराने या इक्स्पाइरी कांटेक्ट लेंस पहने से आपकी आंखों में संक्रमण भी हो सकता है।

ग्लूकोमा के कारण

ग्लूकोमा यानी काला मोतिया एक गंभीर नेत्र रोग होता है। यह धीमी गति से आंखों को हानि पहुंचने वाली बीमारी है, इससे आंखों की ऑप्टिक नर्व को नुकसान होता है और यदि समय रहते इसका इलाज न किया जाए तो इससे आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

उम्मीद की किरण है गर्भ प्रत्यारोपण

गर्भ प्रत्यारोपण उन हजारों महिलाओं के लिए उम्मीद की एक नई किरण है, जो गर्भधारण नहीं कर सकती। इस तकनीक के जरिए दूसरी महिला का गर्भ प्रत्यारोपित करके गर्भधारण कराया जाता है। यह उन महिलाओं के लिए वरदान की तरह है जो किसी बीमारी के कारण या गर्भ में समस्या के कारण मां बनने का सुख नहीं प्राप्त कर सकती हैं।

प्रत्यारोपण रहा सफल

गर्भ प्रत्यारोपण का प्रयास कई सालों से हो रहा है, लेकिन पहली बार सफलता प्राप्त की स्वीडन के चिकित्सकों ने। स्वीडन के डॉक्टरों ने अजूबा कर दिखाया। 36 साल की एक ऐसी महिला को मां बनने की खुशी दे दी, जिसके पास गर्भाशय ही नहीं था। यह मामला इसलिए भी खास है, क्योंकि दुनिया में पहली बार ऐसा हुआ है कि प्रत्यारोपित गर्भाशय से जन्म लेने वाला बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है।

पहले भी हुए प्रयास

इससे पहले भी गर्भाशय प्रत्यारोपण के जरिए कई प्रयास किए गए लेकिन कभी उन्हें शरीर ने स्वीकार नहीं किया तो उसे निकालना पड़ा तो कभी गर्भपात हो गया। 2000 में पहली बार सऊदी अरब में यूटरस ट्रांसप्लांट किया गया था। चार माह बाद ही महिला के शरीर ने ऑर्गन को रिजेक्ट कर दिया। आखिर उसे निकालना पड़ा। इसके बाद टर्की में कोशिश हुई। शरीर ने गर्भाशय तो स्वीकार कर लिया, लेकिन गर्भपात हो गया।

बच्चा है स्वस्थ

स्वीडन में पैदा हुआ बच्चा 1.8 किलो (3.9 पौंड) का है। प्रसव सिजेरियन के जरिए हुआ है। सात अन्य महिलाओं को भी इसी तरह यूटेरस ट्रांसप्लांट किए गए हैं। पांच अब भी गर्भवती हैं। डॉक्टर आशान्वित है कि जल्द ही और खुश-खबरें भी मिलेंगी।

समस्याएं भी आई

प्रत्यारोपित गर्भ से गर्भधारण के बीच में कई तरह की समस्याएं भी आईं। गर्भधारण के 31वें हफ्ते तक सबकुछ सामान्य रहा। इसके बाद महिला को हाई ब्लडप्रेशर से जुड़ी प्री-एक्लांपसिया बीमारी हो गई। बच्चे की हार्ट रेट भी असामान्य पाई गई। डॉक्टरों ने समय पूर्व डिलिवरी कराने का फैसला किया। लेकिन बाद में सबकुछ ठीक हो गया, लेकिन प्रसव सिजेरियन के जरिए हुआ।

महिला बीमारी से ग्रस्त थी

जिस महिला को गर्भ प्रत्यारोपण के बाद मां बनाया गया वह रॉकिटांस्की जेनेटिक सिंड्रोम से पीड़ित थी। 4500 में से किसी एक महिला को यह बीमारी होती है। महिला जब 15 साल की हुई तो पहली बार उसे इसका पता चला। महिला को उसकी 61 साल की पारिवारिक मित्र ने अपना यूटेरस दान किया। चिकित्सक तब हैरान रह गए जब 61 साल की इस महिला की कोख गर्भधारण के लिए टेस्ट में दुरुस्त पाई गई, जबकि सात साल पहले उसका मेनोपॉज बंद हो चुका था। यह उन महिलाओं के लिए एक नई उम्मीद की किरण की तरह है जो किसी परेशानी के कारण मां बनने में सफल नहीं हो पाती है।

किशमिश खाकर करें वजन कम

सूखे मेवे के सेवन से भी वजन को घटाया जा सकता है। इसमें किशमिश का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इस बारे में विस्तार से जानने के लिए ये पढ़े। किशमिश को सूखे मेवे का राजा कहा जाता है। किशमिश का सेवन सीधे तौर पर वजन घटाने के लिए नहीं होता है लेकिन शरीर को स्वस्थ रखने में इसकी बड़ी भूमिका होती है। किशमिश को उसके पोषण तत्वों और स्वास्थ्य लाभों के कारण हीरा माना जाता है। किशमिश खाने से ब्लड बनता है, वायु, पित्त और कफ दोष दूर होता है।

एनर्जी देता है

किशमिश में मौजूद शर्करा शरीर में आसानी से पच जाती है। नतीजनत् शरीर को शक्ति और स्फूर्ति प्राप्त होती है। किशमिश पूरी तरह से कोलेस्ट्रॉल मुक्त होता है। किशमिश में घुलनशील फाइबर बहुत अधिक मात्रा में होता है। यह घुलनशील फाइबर बुरे कोलेस्ट्रॉल का विरोध करता है। इसके अलावा किशमिश पोलीफेनोल्स एंजाइम को भी दबाता है जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल को अवशोषित के लिए जिम्मेदार होता है।

पाचन को ठीक रखता है

रोजाना किशमिश का सेवन करने से आपका हाजमा ठीक रहता है और पाचन तंत्र भी सुचारू रूप से कार्य करता है। किशमिश लैक्सटिव के रूप में कार्य करती है। यह पेट में जाकर पानी को अवशोषित करती है, जिसके फलस्वरूप कब्ज से राहत मिलती है। किशमिश में पाये जाने वाले फाइबर गैस्ट्रोइंटेस्टिनल मार्ग से विषाक्त और अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

हड्डियों को मजबूत करता है

मोटे लोगो की हड्डियां कमजोर होती है। शरीर का ज्यादा वजन भी हड्डियों को कमजोर और दुर्बल बनाता है। अगर आप वजन कम कर रहे हो तो सारे आहार वजन कम करने वाले नहीं लेने चाहिए, ये तरीका आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपको कुछ ऐसे आहार शामिल करने चाहिए जो आपको ऊर्जा दे सके। इसके लिए किशमिश सबसे बेहतर विकल्प है। अगर आप शक्कर बिल्कुल भी नहीं लेते हो तो भी किशमिश आपके शरीर में ग्लूकोज का स्तर बनाए रखती है। किशमिश कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

स्वस्थ रखता है

एक फिट व्यक्ति स्वस्थ रहता है। किशमिश सीधे तौर पर भले ही वजन कम करने में सहायक ना हो, लेकिन इससे मिलने वाले फासदे वजन को नियंत्रित करने में मदद करते है।

उदाहरण के तौर पर रोजाना किशमिश खाने वाले व्यक्ति को हृदय से जुड़ी परेशानियों का सामना कम करना पड़ता है। किशमिश आपके शरीर में पीएच स्तर को भी संतुलित रखता है। आवश्यक मात्रा में किशमिश का सेवन आपके इम्यूनिटी सिस्टम को भी मजबूत बनाता है।

रेसिपी

आलू कुरकुरे

सामग्री

1 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू, 1/2 कप कटा हुआ पुदीना, 12 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून भुना हुआ ज़ीरा पाउडर, 1/2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक स्वादअनुसार, 5 टेबल-स्पून मैदा, 5 टेबल-स्पून पोहा , दरदरा क्रश किया हुआ, तेल,
परोसने के लिएः स्वीट एण्ड सॉर सॉस

विधि

आलू, पुदीना, हरी मिर्च, ज़ीरा पाउडर, नींबू का रस और नमक को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग के छोटे गोले बना लें। एक तरफ रखें। मैदा को थोड़े पानी के साथ मिलाकर गाढ़ा और मुलायम पेस्ट बनाकर एक तरफ रख दें। प्रत्येक आलू के बॉल को मैदा के पेस्ट में डुबोकर पोहे में अच्छी तरह से लपेट लें। एक गहरी कढ़ाई में तेल गरम करें, थोड़े-थोड़े आलू बॉल डालकर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। स्वीट एण्ड सॉर सॉस के साथ गरमा गरम परोसें।

कॉर्न एंड वेजिटेबल रोटी

सामग्री

1 कप मकई का आटा, 1/2 कप कसी हुई फूलगोभी, 1/2 कप बारीक कटी हुई मेथी, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 कप उबले , छिले और कसे हुए आलू, 2 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक सवादअनुसार, मकई का आटा , तेल
परोसने के लिएः ताज़ा दही, अचार

विधि

मकई के आटे को छानकर, सभी सामग्री मिलाकर, ज़रुरत हो उतना गुनगुना पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 7 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को थोड़े सूखे मकई के आटे का प्रयोग कर 125 एमएम। (5) व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और थोड़े तेल का प्रयोग कर प्रत्येक रोटी को दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। ताज़े दही और अचार के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**